संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार, 18 अक्टूबर 2023 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 279 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

नवरात्रि के चौथे दिन देवी दुर्गा के कूष्मांडा स्वरूप की पूजा का विधान है, जिनकी साधना करने पर साधक के जीवन से जुड़े सभी कष्ट दूर और कामनाएं पूरी होती हैं।

फास्ट न्यूज

## यूपी में दर्ज मामलों को बाहर ट्रांसफर करने वाली आजम की याचिका खारिज

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने समाजवादी पार्टी नेता आजम खान और उनके परिवार को कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली बेंच ने आजम खान की उस याचिका को खारिज कर दी,जिसमें उनके खिलाफ यूपी में दर्ज मामलों को राज्य से बाहर ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। यह याचिका आजम खान, उनकी पत्नी तजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्लाह आजम खान ने दायर की थी। सुनवाई के दौरान आजम खान की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि आजम खान को उत्तर प्रदेश में निष्पक्ष न्याय नहीं मिलेगा। आजम खान के खिलाफ सौ से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं। कोर्ट ने 11 अक्टूबर को अब्दुल्लाह आजम खान की दोषसिद्धि पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया था। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि कोर्ट नाबालिग होने के पहलू पर रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। ऐसे में इस स्तर पर कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया जा सकता है। ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में आजम खान और अब्दुल्ला आजम को दोषी करार देते हुए दो-दो साल की सजा सुनाई थी। इसके दो दिन बाद ही उन्हें यूपी विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। हाई कोर्ट ने दोष सिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

## हाई कोर्ट ने शिक्षक भर्ती-2018 का विज्ञापन किया निरस्त

**नई दिल्ली:** दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षक भर्ती के 2018 के विज्ञापन को निरस्त कर दिया है। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय संगठन द राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज एक्ट के मुताबिक दिव्यांगों को चार फीसदी आरक्षण नहीं दे रहा है। केंद्रीय विद्यालय संगठन ने अगस्त 2018 में प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल, पीजी टीचर्स, ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर्स, लाइब्रेरियन इत्यादि पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन निकाला था।

# समलैंगिक विवाह को नहीं मिली मान्यता

= समलैंगिक शादियों को मान्यता देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, 5 जजों का विभाजित फैसला, स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद के पास

**सुप्रीम आदेश**

**8 सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समलैंगिक साथ रह सकते हैं, लेकिन विवाह को मान्यता नहीं दी जा सकती**

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**

**सुप्रीम** कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने से इनकार कर दिया है। समलैंगिक विवाह पर चार जजों सीजेआई, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस एस रवींद्र भट्ट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा, जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने बंटा हुआ फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समलैंगिक साथ रह सकते हैं, लेकिन विवाह को मान्यता नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद के पास है, इसलिए केंद्र सरकार को एलजीबीटीक्यू समुदाय के साथ भेदभाव रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया। इस मामले पर फैसला सुनाते हुए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि समलैंगिक जोड़े को भी सामान्य लोगों की तरह उनको उनका अधिकार मिलना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि यह तर्क सही नहीं है कि समलैंगिक कपल्स बेहतर पैरेंट नहीं हो सकते। इसी कोई स्टडी नहीं है कि सामान्य कपल बेहतर पैरेंट होते हैं। चीफ जस्टिस ने कहा कि समलैंगिक कपल्स को विवाह करने का अधिकार है। समलैंगिक कपल को भी बच्चा गोद लेने का अधिकार है। चीफ जस्टिस ने कहा कि समलैंगिकता सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव में कृषि कार्य में काम करने वाली एक महिला भी समलैंगिक हो सकती है। चीफ जस्टिस ने कहा कि ये कहना कि विवाह की संस्था स्थिर और अपरिवर्तनीय है, सही नहीं है। विवाह की व्यवस्था में कानून के द्वारा बदलाव किया गया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव करने का अधिकार केवल संसद के पास है। कोर्ट को संसद के अधिकार क्षेत्र में दखल देने में सावधानी बरतनी चाहिए। संविधान बेंच के सदस्य जस्टिस संजय किशन कौल ने चीफ जस्टिस के फैसले पर अपनी सहमति जताई। जस्टिस एस रविंद्र भट्ट ने चीफ जस्टिस के फैसले से असहमति जताते हुए कहा कि समलैंगिक जोड़े को बच्चा गोद लेने का अधिकार नहीं दिया जा सकता।

### केंद्र को एलजीबीटीक्यू के साथ भेदभाव रोकने के निर्देश

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**

**सुप्रीम** कोर्ट ने इस मामले पर दस दिनों तक सुनवाई करने के बाद 11 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कहा था कि जेंडर की अवधारणा 'परिवर्तनशील' हो सकती है, लेकिन मां और मातृत्व नहीं। कोर्ट ने कहा था कि एक बच्चे का कल्याण सर्वोपरि होता है। देश का कानून विभिन्न कारणों से गोद लेने की अनुमति प्रदान करता है। यहां तक कि एक अकेला व्यक्ति भी बच्चा गोद ले सकता है। ऐसे पुरुष या महिला, एकल यौन संबंध में हो सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर आप संतानोत्पत्ति में सक्षम हैं तब भी आप बच्चा गोद ले सकते हैं।

जैविक संतानोत्पत्ति की कोई अनिवार्यता नहीं है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि शादी और तलाक के मामले में कानून बनाने का अधिकार संसद को ही है। ऐसे में हमें यह देखना होगा कि कोर्ट कहां तक जा सकता है।

### समलैंगिक विवाह की सबसे बड़ी पैरोकार माया का संघर्ष

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**

समलैंगिक विवाह की सबसे बड़ी पैरोकार राजस्थान के अजमेर से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी करने वालीं माया शर्मा जीवन के सत्तर वसंत देख चुकी हैं। वो 1960 के दशक के आखिर में बीए करने दिल्ली पहुंची थीं। 1983 में उन्होंने महिलाओं के संगठन सहेली के लिए बतौर वॉलंटियर काम शुरू किया। यहां उनकी मुलाकात कई महिलाओं से हुई, जो शादी के बंधन को तोड़कर सामाजिक नियम-कायदों के बजाय अपने हिसाब से जिन्दगी की आजादी का अनुभव करना चाहती थीं। उन्हें शुरू से ही महिलाओं के प्रति आकर्षण महसूस होता था। उन्होंने कहा कि जब वह छोटी थीं, तब महिलाओं से उनकी बहुत गहरी दोस्ती थी। स्कूल के दौरान ही वह अपनी एक टीचर के बहुत नजदीक आ गई थीं। उन्होंने कहा कि 1988 में दो महिला पुलिसकर्मियों की शादी की खबर ने उनका हौसला बढ़ाया। माया 1991 में जारी 70 पेज की उस रिपोर्ट ('लेस दैन गे') को याद करती हैं, जिसे 'द पिंक बुक' भी कहा जाता है। यह एलजीबीटीक्यू के सफर में एक अहम पड़ाव था। इस उस समय प्रकाशित किया गया था, जब डॉक्टर एचआईवी/एड्स से ग्रस्त लोगों का इलाज करने से इनकार कर रहे थे।

## कलाकार समाज में परिवर्तन लाने में अहम भूमिका निभाते हैं: राष्ट्रपति

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**

**राष्ट्रपति** द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2021 से वहीदा रहमान, आलिया भट्ट, पल्लवी जोशी और आर माधवन सहित फिल्मी जगत के कई कलाकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार वहीदा रहमान को प्रदान किया गया। इस मौके पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वहीदा रहमान सहित सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और कहा कि उन्होंने अपनी कला और व्यक्तित्व से फिल्म उद्योग के शिखर पर खुद को स्थापित किया है। फिल्म बिरादरी और कलाकारों को परिवर्तन लाने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी फिल्मों के माध्यम से भारतीय समाज की विविध वास्तविकता का जीवंत परिचय देते हैं और विकसित भारत के निर्माण करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि फिल्मी कलाकारों ने अपने निजी जीवन में भी एक गरिमामय, आत्मविश्वासी और मौलिकता वाली महिला के रूप में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कई फिल्में चुनीं, जिनमें उनकी भूमिकाओं ने आमतौर पर महिलाओं से जुड़ी कई बाधाओं को तोड़ दिया।

## सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**

**सुप्रीम** कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने मंगलवार को मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने 16 अक्टूबर को ईडी से पूछा था कि मनीष सिसोदिया के खिलाफ आरोप तय करने पर अब तक बहस शुरू क्यों नहीं हुई। किसी को इस तरह आप जेल में नहीं रख सकते। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि हम आम आदमी पार्टी को भी इस मामले में आरोपित बनाने पर विचार कर रहे हैं। पहले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ईडी पर बड़े सवाल उठाते हुए पूछा था कि सरकारी गवाह के बयान पर कैसे भरोसा करेंगे। क्या ये बयान कानून में स्वीकार्य होगा। क्या ये कही सुनी बात नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि सब सबूतों

के आधार पर होना चाहिए वरना जिरह में ये केस दो मिनट में गिर जाएगा। सुनवाई के दौरान 5 अक्टूबर को मनीष सिसोदिया के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि सिसोदिया को पैसे मिलने का कोई सबूत नहीं है। विजय नायर से सिसोदिया का कोई संबंध नहीं था। नायर पार्टी का कार्यकर्ता था और वह आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता था। उन्होंने कहा कि सिसोदिया 26 फरवरी से जेल में

**सुनवाई**

**8 ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि हम आम आदमी पार्टी को भी इस मामले में आरोपित बनाने पर विचार कर रहे**

हैं। सुनवाई के दौरान ईडी ने सिसोदिया की जमानत का विरोध करते हुए कहा था कि नीति पारदर्शी होनी चाहिए थी। जबकि शराब नीति के तहत पैसा कमाने के लिए षड्यंत्र रचा गया, पैसा लेकर छूट मुहैया कराई गई। ईडी ने कहा कि एक तरफ यह लोग पॉलिसी में बदलाव कर रहे थे वही दूसरी तरफ विजय नायर शराब व्यापारियों से मुलाकात कर रहे थे और रिश्वत ले रहे थे। विजय नायर द्वारा सीधे तौर पर रिश्वत की मांग की गई।

## पीएम मोदी ने गगनयान मिशन की तैयारियों की समीक्षा की

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**

**प्रधानमंत्री** नरेन्द्र मोदी ने भारत के गगनयान मिशन की प्रगति का आकलन करने और अंतरिक्ष अन्वेषण के भारत के प्रयासों के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने से संबंधित एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। अंतरिक्ष विभाग ने ह्यूमन-रेटेड लॉन्च व्हीकल और सिस्टम क्वालिफिकेशन जैसी अब तक विकसित की जा चुकी विभिन्न प्रौद्योगिकियों सहित गगनयान मिशन का व्यापक विवरण प्रस्तुत किया। इस बात पर गौर किया गया कि ह्यूमन रेटेड लॉन्च व्हीकल (एचएलवीएम3) के 3 अनक्रूड मिशनों सहित लगभग 20 प्रमुख परीक्षणों की योजना बनाई गई है। क्रू एस्केप सिस्टम टेस्ट व्हीकल की पहली प्रदर्शन उड़ान 21 अक्टूबर को

निर्धारित की गई है। बैठक में 2025 में मिशन के लॉन्च की पुष्टि करते हुए इसकी तैयारी का मूल्यांकन किया गया। हाल के चंद्रयान-3 और आदित्य एल1 मिशन सहित भारत की अंतरिक्ष संबंधी पहलों की सफलता के आधार पर प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि भारत को अब 2035 तक "भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन" की स्थापना और 2040 तक चंद्रमा पर पहला भारतीय भेजने सहित नए और महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए।

विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, राज्य सूचना प्रसारण मंत्री एल. मुर्गन ने 69वें राष्ट्रीय समारोह के दौरान आर माधवन फिल्म पुरस्कार दिया।

## मोदी जनित महंगाई से राहत 'विदाई' के बाद: जयराम रमेश

**टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली**

**कांग्रेस** ने प्रधानमंत्री मोदी पर गरीब जनता की परेशानियों को अनदेखा करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने आवश्यक वस्तुओं की 'आसमान छूती' कीमतों को लेकर मंगलवार को केंद्र पर निशाना साधा। पार्टी ने दावा किया कि बढ़ती कीमतों के कारण गरीबों और मध्यमवर्गीय परिवारों का जीवन दयनीय हो गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के अनुसार, आर्थिक मोर्चे पर मिल रही चुनौतियों के कारण हालात नाजुक हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसकी कोई चिंता नहीं है।

**'आंकड़ों की आड़ में धोखा देना बंद करें':** कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री को "आंकड़ों के माध्यम से लोगों को धोखा देना बंद करना चाहिए और सेवानिवृत्ति ले लेनी चाहिए।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के पद छोड़ने के बाद ही देश को "मोदी निर्मित मुद्रास्फीति" से राहत मिलेगी।

## 'टॉप 3 इकोनॉमिक देशों में होगा भारत'

इस बदलते हुए वर्ल्ड ऑर्डर में पूरा विश्व भारत की ओर नई आकांक्षाओं से देख रहा है: मोदी

**समिट**

**8 वो दिन अब दूर नहीं है, जब भारत, दुनिया के टॉप 3 इकोनॉमिक देशों में शामिल हो जाएगा: पीएम**

**प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 का उद्घाटन किया। इस संस्करण का आयोजन मुम्बई के मैदान में किया गया। ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 के तीसरे संस्करण के उद्घाटन में पीएम मोदी ने कहा, "ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट के तीसरे संस्करण में मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं। इससे पहले जब हम 2021 में मिले थे, तब पूरी दुनिया कोरोना की अनिश्चितता से घिरी हुई थी। कोई नहीं जानता था कि कोरोना के बाद का विश्व कैसा होगा, लेकिन आज दुनिया में एक नया आकार ले रहा है।" पीएम मोदी ने पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि वो दिन अब दूर नहीं है, जब भारत, दुनिया के टॉप 3 इकोनॉमिक देशों में शामिल हो जाएगा। उन्होंने कहा, "इस बदलते हुए वर्ल्ड ऑर्डर में पूरा विश्व भारत की ओर नई आकांक्षाओं से देख रहा है।

एक भाव

सीएम योगी ने हापुड़ को दी सौगात, 136 करोड़ की 102 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही बाबा साहेब को दिया सही मायनों में सम्मान: सीएम योगी

**टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ**

**हमारा** देश सैदव से ही 'सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया' की राह पर चला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर आधारित सबका साथ सबका विकास के भाव को जोड़ दिया है। ऐसा कोई कालखंड नहीं है जब अनुसूचित जाति ने समाज का मार्गदर्शन न किया हो। आजाद भारत को एक सूत्र में पिरोने के लिए बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने एक ऐसा संविधान बनाया, जो आज 142 करोड़ लोगों को उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक एकता के सूत्र में जोड़ने का काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही सही मायने में बाबा साहब को सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब से जुड़े स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया, चाहे मऊ हो, दिल्ली, मुंबई, इंग्लैंड का वह भवन जहां रहकर उन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की या नागपुर की दीक्षा भूमि, इन सभी स्थलों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ही प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के लखनऊ में डॉ. भीमराव आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र की स्थापना की जा रही है, जहां पर अनुसूचित जाति-जनजाति के नौजवानों को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्कॉलरशिप की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही उच्च अध्ययन करने की व्यवस्था का काम अंतिम दौर में है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को हापुड़ के आनंद विहार में आयोजित अनुसूचित जाति/जनजाति सम्मेलन में कही। इस दौरान उन्होंने हापुड़ को 136 करोड़ की 102 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण/शिलान्यास की सौगात दी। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। वर्ष 2015-16 में अनुसूचित जाति के छात्रों की रोक दी गयी थी छात्रवृत्ति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सबका साथ सबका विकास केवल नारा नहीं है बल्कि यह योजनाओं में दिखता भी है। पहले योजनाएं व्यक्ति, जाति, मत और मजहब को लेकर बनती थीं, लेकिन आज योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के उपलब्ध कराया जाता है। वर्ष 2015-16 में समाजवादी पार्टी ने अनुसूचित जाति के सभी छात्रों की छात्रवृत्ति रोक दी थी। इतना ही नहीं इसी पार्टी ने ही सहारनपुर के मेडिकल कॉलेज का नाम बदलने का पाप किया था। समाजवादी पार्टी ने ही लखनऊ में भी भाषा विश्वविद्यालय का नाम बदलने का काम किया।

**एक सूत्र पिरोया**

**8 अनुसूचित जाति/जनजाति से जुड़ा हुआ कोई भी व्यक्ति जहां निवास कर रहा है उसे वहीं दी जाएगी जमीन**

## भाजपा चाहती है हर फैसला दिल्ली में हो: राहुल गांधी

**टीम एक्शन इंडिया/आइजोल**

**कांग्रेस** सांसद राहुल गांधी मिजोरम के आइजोल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अधिकतर भाजपा नेताओं के बच्चे वंशवादी हैं। अमित शाह का बेटा तो क्रिकेट चला रहा है। वहीं, उन्होंने कहा कि वह विकेंद्रीकरण चाहते हैं, लेकिन भाजपा इसके खिलाफ है। राहुल गांधी ने पत्रकारों से पूछा कि अमित शाह, राजनाथ सिंह जैसे तमाम भाजपा नेताओं के बच्चे क्या कर रहे हैं? आखिरी बार सुना था कि अमित शाह का बेटा भारतीय क्रिकेट चला रहा है। उन्होंने कहा, अनुराग ठाकुर जैसे तमाम भाजपा के बच्चे वंशवादी हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि वह मिजोरम के लोगों को संदेश देना चाहते हैं, वो बहुत स्पष्ट है कि कांग्रेस पार्टी के पास एक कार्यक्रम है, एक रिकॉर्ड है। बाकी दोनों पार्टियां जेडपीएम और एमएनएफ भाजपा और आरएसएस के राज्य में प्रवेश करने के लिए हथियार हैं।

# मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत महापौर की अगुवाई में निकली अमृत कलश यात्रा

**अभियान**

**8 महापौर ने बताया कि शहीदों को सम्मान देने के मकसद से केंद्र सरकार ने अभियान शुरू किया है**

**ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया**
मेरी माटी ,मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत महापौर अनिता ममगांई ने हरी झंडी दिखाकर अमृत कलश यात्रा को देहरादून मुख्यालय के लिए रवाना किया। मंगलवार को तीर्थ नगरी अमर शहीदों को लेकर किए गये जयघोषों से गूंज उठी। मौका था अमृत कलश यात्रा का, जो नगर निगम प्रांगण से गाजे बाजों ओर देशभक्ति के गीतों के साथ निकाली गई। विभिन्न वार्डों में अमर सैनिकों ओर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को इस दौरान महापौर द्वारा सम्मानित किया गया। इसके पश्चात देश के वीर बलिदानियों के घरों से पवित्र मिट्टी और दो चुटकी चावल एकत्रित किए गए हैं।
महापौर ने बताया कि देश के शहीदों को सम्मान देने के मकसद से केंद्र की भाजपा सरकार ने अभियान शुरू किया है, जिसके तहत हर एक बलिदानी के घर की मिट्टी एकत्रित की जा रही है। मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत घर-घर जाकर मिट्टी एकत्रित की गई और आज इसे अमृत कलश यात्रा निकालकर एक जगह एकत्रित किया। इस मिट्टी का प्रयोग अमृत वाटिका के निर्माण में होगा।
इस अवसर पर नगर आयुक्त राहुल गोयल, सहायक नगर आयुक्त चंद्रकांत भट्ट,, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से संदीप शास्त्री, राजपाल बिष्ट, चंद्रभान मुल्तानी, देवेश्वर रतूड़ी, शीला रतूड़ी, सम्पूर्णानानंद पैनूली, कुंवर सिंह रावत, मनोज थापा, अक्षय खैरवाल, हेमलता चौहान,निधि पोखरियाल,भूपेंद्र राणा आदि मौजूद रहे।

# प्रवासी भारतीयों ने दुबई में मुख्यमंत्री धामी का किया स्वागत

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का दुबई पहुंचने पर उत्तराखंड एसोसिएशन ऑफ यूएई और भारतीय प्रवासियों ने स्वागत समारोह का आयोजन किया। मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों को उत्तराखंडी टोपी भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में धामी का जोरदार स्वागत किया गया।
मुख्यमंत्री ने समस्त प्रवासी उत्तराखंडियों से वर्ष में एक बार उत्तराखंड आने की अपील की। साथ ही उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में धार्मिक पर्यटन, अध्यात्म, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी। इस मौके पर देवभूमि उत्तराखंड के प्रवासी नागरिकों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड एसोसिएशन ऑफ यूएई व भारतीय प्रवासियों का इस आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

## न्यूज फ्लैश

### पीएम विश्वकर्मा योजना कार्यशाला में सांसद चटर्जी और प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने किया प्रतिभाग

**हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया**
हल्द्वानी भाजपा कार्यालय में ओबीसी मोर्चा की पार्टी पदाधिकारी की बैठक हुई, जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और पश्चिम बंगाल के हुगली संसदीय क्षेत्र से सांसद लॉकेट चटर्जी ने शिरकत की। इस दौरान ओबीसी मोर्चे के पदाधिकारियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लॉन्च की गई विश्वकर्मा योजना का लाभ आम गरीब लोगों तक पहुंचे, इसके बारे में बताया गया। साथ ही पार्टी पदाधिकारी को लोगों के बीच जाकर योजनाओं की जानकारी देने और पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई है।
प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर वर्ग के लोगों के बारे में सोचते हैं, यही वजह है कि उन्होंने विश्वकर्मा योजना लॉन्च की, जिसमें गरीब कामगार लोगों को बिना ब्याज के ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। विश्वकर्मा योजना की प्रदेश प्रभारी सांसद लॉकेट चटर्जी ने कहा कि बड़े पैमाने पर गरीब और छोटे-छोटे काम करने वाले स्वरोजगार कर आत्म सम्मान से जीने वाले लोगों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ दिए जाने को लेकर ओबीसी मोर्चे की बैठक की गई है। ताकि ऐसे वर्गों तक इस योजन का लाभ पहुंच सके। इसमें मोर्चे के पदाधिकारियों को अहम भूमिका निभानी होगी।

### किसानों के हित में कार्य करना सरकार की प्राथमिकता : अनिल डब्बू

**हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया**
उत्तराखंड मंडी परिषद के अध्यक्ष अनिल कपूर डब्बू ने कहा कि वे सभी छोटी और बड़ी मंडियों को हर तरह मजबूत करने के लिए कार्य कर रहे हैं, ताकि राज्य के किसानों को उसका लाभ मिल सके।
मंडी परिषद अध्यक्ष अनिल कपूर डब्बू इन दिनों एक्टिव मोड में हैं और वह लगातार मंडी परिषद के सचिवों और अध्यक्षों के साथ बैठक कर रहे हैं, जिसमें उनको अच्छा रिस्पांस देखने को मिल रहा है। उत्तराखंड की मंडियों को किस तरीके से मॉडल मंडियों के रूप में विकसित करने के साथ ही उनका विस्तार किया जाए। इसको लेकर उन्होंने अधिकारियों को किसानों के हितों में बेहतर योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी योजना लेकर वह किसानों के बीच जाएंगे, ताकि उनको लाभ मिल सके।
धान खरीद पर मंडी परिषद अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने मंडी सचिवों को निर्देश दिए हैं कि धान खरीद केंद्रों पर जाकर निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि किसानों की धान खरीद सरकार के जारी किए गए मूल्य पर खरीदे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी तरह से कोई दिक्कत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की धामी सरकार पूरी मजबूती से किसानों के साथ खड़ी है। उनकी आय को दोगुना करना प्रदेश और केंद्र सरकार का लक्ष्य है, जिस दिशा में सरकार काम कर रही है।

### प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत हल्की बारिश हो सकती है : विक्रम सिंह

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
उत्तराखंड मौसम विभाग ने अपने पूवार्नुमान में 17 और 18 अक्टूबर को कहीं-कहीं हल्की से बहुत हल्की बारिश की संभावना जताई है। आज 17 अक्टूबर को जहां उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, देहरादून पौड़ी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत और नैनीताल में कहीं कहीं हल्की से बहुत हल्की बारिश की संभावना जताई है वहीं मौसम विभाग ने प्रातःकाल का तापमान 12 डिग्री सेल्सियस जताया है। हवा, नमी और अन्य मौसम की स्थितियों जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए तापमान 10 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस हो सकता है। विभाग के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह के अनुसार मंगलवार की दोपहर के समय का तापमान 26 डिग्री सेल्सियस है और यह इसी तरह रहेगा। 10 किलोमीटर प्रतिघंटा की हवा की गति के साथ आर्द्रता लगभग 38 प्रतिशत रहेगी। उत्तराखंड में शाम का तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

# सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का परीक्षण 18 को

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
दूरसंचार विभाग राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से आपदाओं के दौरान आपातकालीन संचार को बढ़ाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का परीक्षण कर रहा है। ये परीक्षण 18 अक्टूबर को देहरादून में किया जा रहा है।भारत के नागरिकों और समुदायों की सुरक्षा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता में, प्रत्येक दूरसंचार सेवा प्रदाता पर सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का परीक्षण किया जा रहा है। विभिन्न मोबाइल ऑपरेटरों और सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम की आपातकालीन चेतावनी प्रसारण क्षमताओं की दक्षता और प्रभावशीलता का आंकलन करने के लिए ये परीक्षण समय-समय पर देश भर के विभिन्न क्षेत्रों में किए जाएंगे। सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम एक अत्याधुनिक तकनीक है जो हमें एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र के भीतर सभी मोबाइल उपकरणों पर आपदा प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण और समय पर संवेदनशील संदेश भेजने की अनुमति देता है, भले ही प्राप्तकर्ता प्रदेश का निवासी हों या फिर पर्यटक/ आगन्तुक।
सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम यह सुनिश्चित करता है कि महत्वपूर्ण आपातकालीन जानकारी समय पर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे।

# चारधाम में तीर्थयात्रियों की संख्या 50 लाख के पार पहुंची : डीजीपी

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ने बताया कि इस बार चारधाम में तीर्थयात्रियों की संख्या 50 लाख के पार पहुंच गयी है। कल सोमवार 16 अक्टूबर तक चारधाम दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों का यह आंकड़ा 50 लाख के पार पहुंचा।
पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अशोक कुमार ने बताया कि विश्वप्रसिद्ध चारधाम दर्शन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु आ रहे हैं।
इन श्रद्धालुओं की सुगम और सरल यात्रा लिए उत्तराखंड पुलिस समर्पित है। चारधाम यात्रा में इस साल रिकॉर्ड संख्या में तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। कल 16 अक्टूबर तक चारधाम में दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 50 लाख के पार पहुंच गयी है। उन्होंने बताया कि लगभग 5 लाख 41 हजार वाहन भी चारधाम पहुंचे हैं। वर्तमान में रिकार्ड स्तर पर यात्री अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। डीजीपी ने बताया कि यात्रा प्रारम्भ होने के बाद केदारनाथ धाम में लगभग 17 लाख 08 हजार, बदरीनाथ धाम में 15 लाख 90 हजार, गंगोत्री में 08 लाख 46 हजार, यमुनोत्री में 06 लाख 94 हजार, हेमकुण्ड साहिब में 01 लाख 77 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। श्री हेमुण्ड साहिब के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं।
उन्होंने बताया कि उत्तराखंड पुलिस मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशन में प्रत्येक स्तर पर तीर्थयात्रियों की हर सम्भव सहायता कर रही है, जिससे उनके मन में देवभूमि की पवित्र आस्था के साथ ही उत्तराखंड पुलिस की सकारात्मक छवि की स्मृतियां भी अंकित हो रही हैं। हम सुरक्षित और निर्बाधित चारधाम यात्रा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# पूर्णागिरि तहसील में हुआ तहसील दिवस

**चंपावत/टीम एक्शन इंडिया**
टनकपुर स्थित पूर्णागिरि तहसील में तहसील दिवस में कुल 22 समस्याएं प्राप्त हुई, जिनमें से 19 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया।
अपर जिलाधिकारी हेमन्त कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुए तहसील दिवस में उपस्थित लोगों ने बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य सहित अनेक समस्याएं रखीं। इन समस्याओं के समाधान के लिए अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारी को मौके पर ही निर्देशित किया।
तहसील दिवस में ज्ञानखेड़ा और मनिहारगोठ के ग्रामीणों ने एडीएम

**निस्तारण**

**8 तहसील दिवस में कुल 22 समस्याएं प्राप्त हुई, जिनमें से 19 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया।**

के समक्ष राष्ट्रीय राजमार्ग में भूमि अधिग्रहण का मुआवजा दिए जाने, गैड़ाखाली निवासी देव सिंह ने नाप भूमि में हो रहे भूकटाव को रोके जाने, गैड़ाखाली ग्राम प्रधान निर्मला सामंत ने जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र को बनाने में आ रही समस्या के संबंध में, खेतखेड़ा निवासी पुष्कर सिंह ने सरकारी स्कूलों में बस चलवाए जाने, छीनीगोठ ग्राम प्रधान पूजा जोशी ने जंगली जानवरों से बचाव के लिए गांव में सोलर फेंसिंग लगाए जाने की मांग की। इसके अलावा गांव में इंटरमीडिएट विद्यालय बनाए जाने, जगदीश चंद्र परगाई ने कठौल में पेयजल किल्लत दूर करने, थ्वालखेड़ा ग्राम प्रधान दीपा बोहरा ने सड़क निर्माण के दौरान हो रहे भूमि विवाद को निपटाने, छीनी गोठ निवासी नवीन भट्ट द्वारा प्रधान मंत्री आवास की तीसरी किस्त की धनराशि दिलाए जाने सहित कुल 22 समस्याएं रखीं। अपर जिलाधिकारी ने प्राप्त समस्याओं में से 19 समस्याओं का विभिन्न विभागों के माध्यम से मौके पर ही निस्तारण किया।

### शाम पांच बजे तक बंद रहेगी आंवला गेट क्रॉसिंग

**हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया**
आंवला गेट रेलवे क्रॉसिंग पर रेल कार्य की वजह से आज मंगलवार की सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक आंवला गेट क्रॉसिंग पर यातायात बंद रहेगा।
प्रभारी सीनियर सेक्शन इंजीनियर रेलवे इंदल कुमार ने बताया कि फाटक नंबर 50बी-1 आंवला गेट रेलवे फाटक पर रेल बदलने का काम कराया जाएगा। इस वजह से सात घंटे के लिए इस मार्ग पर यातायात बंद रखा जाएगा। वैकल्पिक मार्ग के लिए यातायात को इंद्रानगर गेट और तीनपानी गेट की ओर से निकाला जाएगा।

# कृषि मंत्री ने की किसान संगठन के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा, सौंपा ज्ञापन

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में राज्य के किसानों की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के सम्बन्ध में किसान संगठन के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कृषि मंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा।
कृषि मंत्री ने बताया कि किसान संगठन के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को 5 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है। उन्होंने बताया कि आपदा की दृष्टि से सर्वाधिक नुकसान हरिद्वार जिले को झेलना पड़ा, जिसमें किसान संगठन के प्रतिनिधियों ने सर्वे में कुछ अनियमितताओं को लेकर रोष प्रकट किया है। मंत्री ने जिन क्षेत्रों में सर्वे में अनियमितता की शिकायत पायी गई हैं, वहां विभागीय और राजस्व अधिकारियों की टीम को पुनः सर्वे करने के निर्देश दिये। मंत्री ने किसान संगठन की मांग के अनुसार किसानों को मनरेगा से जोड़ने हेतु आयुक्त, ग्राम्य विकास को दूरभाष के माध्यम से निर्देशित किया। उन्होंने सोनाली नदी पर बांध बनाने के भी निर्देश दिये जिससे नदी के आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या से किसानों को राहत मिल सकेगी। मंत्री ने कहा कि मानकों के अनुसार अभी तक लगभग 35 करोड़ रुपये का मुआवजा किसानों को दिया जा चुका है। मंत्री ने कृषि सचिव को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक जिलों के जिलाधिकारी माह में एक दिन किसानों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सचिव, कृषि, दीपेन्द्र कुमार चौधरी, महानिदेशक, कृषि एवं उद्यान, रणवीर सिंह चौहान, भारतीय किसान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष, संजय चौधरी तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

# मोदी के सम्मान में महिला मोर्चा 30 तक करेगा सम्मेलनः आशा

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने मंडल स्तर पर महिला सम्मेलन कर रहा है। यह सम्मेलन 30 अक्टूबर तक सभी मंडलों में चलेगा।
मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने बताया कि नवरात्र के पावन पर्व के मौके पर दुर्गा के नव रूपों की पूजा हो रही है। ऐसे में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में 30 अक्टूबर तक महिला सम्मेलन कर रहा है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण को लेकर ऐतिहासिक कदम उठाया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर जो निर्णय किया है, इससे महिलाएं राजनीतिक तौर पर सशक्त होंगी । प्रधानमंत्री का यह निर्णय भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। इससे 33 प्रतिशत महिलाओं को विधानसभा और संसद में पहुंचने का अवसर प्राप्त होगा। महिला जनप्रतिनिधि विधानसभा और संसद में महिलाओं के मुद्दों को उठाने का काम करेंगी। भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नौटियाल का कहना है कि भाजपा महिला मोर्चा मंडल स्तर पर महिला सम्मेलन का आयोजन कर रहा है जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचा जा रहा है।
उनका कहना है कि समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके इस दिशा में सरकार काम कर रही है।
भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ता सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ सेल्फी विद लाभार्थी का कार्यक्रम कर रहे हैं। बूथ स्तर पर भी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में लाभार्थियों के साथ आम जनमानस विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर काम करने वाली महिलाओं को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

# स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने पूरे देश में ज्ञान की अलख जलायी : प्रकरशानंद

## -स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की 108वीं जयंती के पर संस्कार कार्यक्रम आयोजित

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
चिन्मय मिशन के अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयान्द सरस्वती महाराज की 108वीं जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में कार्यक्रम कर रहा है। इस श्रृंखला में आज चिन्मय डिग्री कॉलेज में दिल्ली चिन्मय सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी प्रकरशानंद ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को मार्गदर्शन दिया।
एक प्रेरणात्मक सत्र का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मंत्रोच्चारण के साथ गुरु पादुका पूजा से हुई। उत्तरकाशी चिन्मय मिशन से आए स्वामी देवात्मानंद ने मंत्र उच्चारण किया। पूजा में शैक्षिक समिति के पदाधिकारी, सभी छात्र-छात्राएं और शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पूजा के यजमान कॉलेज के प्राचार्य आलोक अग्रवाल, सेवानिवृत कर्नल राकेश सचदेवा, श्रीमती साधना सचदेवा मनीषा, स्वाति शुक्ला, वैष्णो दास शर्मा रहे। गुरु पादुका पूजा का महत्व बताते हुए स्वामी प्रकरशानंद ने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने पूरे देश में ज्ञान की अलख जलायी। उन्होंने ज्ञान को सर्वश्रेष्ठ माना और हरिद्वार में मूल्यों पर आधारित शिक्षा के लिए चिन्मय डिग्री कॉलेज की स्थापना की। उनके बताए मार्ग पर कटिबद्ध रहने के संकल्प के साथ आज गुरु पादुका पूजा का आयोजन किया गया है। चिन्मय शैक्षिक समिति के अध्यक्ष कर्नल राकेश सचदेवा ने बताया कि जीवन जीते हुए जो रोजमर्रा की जिंदगी में हमें चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे तनाव उत्पन्न होता है। इसी विषय पर स्वामी प्रकरशानंद ने तनाव मुक्त जीवन जीने के विद्यार्थियों को सूत्र बताए।कार्यक्रम में चिन्मय शैक्षिक समिति की सचिव डॉक्टर इंदु मेहरोत्रा, श्रीमती साधना सचदेवा, डॉक्टर शालिनी, कमांडर आमोद चौधरी, डॉक्टर आनंद शंकर सिंह, डॉ पीके शर्मा, डायरेक्टर एसएफएस डॉ वैष्णो दास शर्मा, संतोष, मधु, डॉक्टर रुचिरा चौधरी आदि मौजूद रहे।

### विश्व का कल्याण करने वाली है मां भगवती की आराधना

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
श्री चेतन ज्योति आश्रम के अध्यक्ष स्वामी ऋषिश्वरानंद महाराज ने कहा है कि मां भगवती की आराधना से व्यक्ति के जन्म जन्मांतर के पापों का शमन होता है। सुख समृद्धि एवं उन्नति की प्राप्ति होती है। मां भगवती अपने भक्तों का संरक्षण कर उनका जीवन भवसागर से पार लगती है। अपनी शरण में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु भक्त की सभी मनोकामनाएं पूर्ण कर माँ उन्हें मनवांछित फल प्रदान करती है। भूपतवाला स्थित श्री चेतन ज्योति आश्रम में नवरात्र पर्व के तीसरे दिन श्रद्धालु भक्तों को मां

उत्तर रेलवे
आजादी का अमृत महोत्सव
ई–निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमन्त्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

| | |
|---|---|
| Tender No. Date | 205-DRM-MB-23-24 dt. 16.10.2023 |
| Name of work | CTR(P) of 1.81 km and Remodeling of RG Yard in connection with EI under ADEN/CH in MB division |
| Advertised Value (Rs.) : Rs. 1,37,48,619.25 | Earnest Money (Rs.) : Rs. 2,18,800.00 |
| Tender No. Date | 102-DRM-MB-23-24 dt. 16.10.2023 |
| Name of work | CTR work of 3.03 Km (MB-KPV) in the jurisdiction of SSE/P.W/MB under ADEN/HQ. DE 132/2023 |
| Advertised Value (Rs.) : Rs. 1,16,04,828.80 | Earnest Money (Rs.) : Rs. 20,80,00.00 |
| Tender Closing Date Time | 09.11.2023 |
| Bidding Start Date | 26.10.2023 |
| Period of Completion | 6 Month |

पत्रांक – 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक- 16.10.2023 3225/2023
ग्राहकों की सेवा में तुरन्त के साथ

# मां ने बेटे को दान की किडनी, एम्स में हुआ सफल प्रत्यारोपण

**ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया**
एम्स ऋषिकेश के चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट कर एक ऐसे व्यक्ति का जीवन बचाया , जिसका हेमोडायलिसिस फेल हो चुका था और वह क्षय रोग की बीमारी से जूझ रहा था। गुर्दा प्रत्यारोपण के इस नए मामले में बेटे का जीवन बचाने के लिए मां ने ही बेटे को अपनी किडनी दान दी है। एम्स में किडनी ट्रांसप्लांट का यह दूसरा मामला है, जो पूरी तरह से सफल रहा।

मूलरूप से दिल्ली के नंगला गांव का रहने वाला 32 वर्षीय सचिन वर्तमान में देहरादून स्थित सीमा सड़क संगठन कार्यालय में तैनात है। पिछले 3 वर्षों से किडनी की समस्या से परेशान सचिन का लंबे समय से डायलिसिस चल रहा था। रोगी ने मई 2022 में एम्स के नेफ्रोलॉजी विभाग से संपर्क किया और विशेषज्ञ चिकित्सकों को अपनी बीमारी के बारे में बताया। मरीज को न केवल किडनी की समस्या थी बल्कि उसके हार्ट में भी संक्रमण की शिकायत थी। नेफ्रोलॉजी विभाग की डॉ. शेरोन कंडारी ने बताया कि रोगी का पहले 4 महीने तक क्षय रोग का इलाज किया गया। हालांकि इस दौरान उसका डायलिसिस भी जारी था। समस्या तब ज्यादा गंभीर हो गई, जब रोगी का शरीर कमजोर होने के कारण हेमोडायलिसिस करने में दिक्कत आ गई। ऐसे में विकल्प के तौर पर अगले 3 महीनों तक रोगी को पेरिटोनियल डायलिसिस (प्रत्यक्ष रूप से पेट के निचले हिस्से में सर्जरी करके एक नली डालकर शरीर के बेकार पदार्थों को बाहर निकालने की प्रक्रिया) से गुजरना पड़ा।
उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2023 में एम्स ऋषिकेश में पहला किडनी ट्रांसप्लांट किया गया था। उस दौरान नैनीताल निवासी एक 27 वर्षीय युवक की किडनी प्रत्यारोपित की गई थी। टीम में शामिल रहे एम्स के यूरोलॉजिस्ट और यूरोलॉजी विभाग के हेड डॉ. अंकुर मित्तल के अनुसार किसी व्यक्ति के शरीर की जब दोनों किडनियां काम करना बंद कर देती हैं तो उसे किडनी ट्रांसप्लांट ( गुर्दा प्रत्यारोपण ) की आवश्यकता होती है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में शरीर के किसी ऑर्गन ( अंग ) ट्रांसप्लांट तकनीक की यह प्रक्रिया अत्यन्त जटिल होती है। हाल ही में सफलतापूर्वक किए गए किडनी प्रत्यारोपण मामले बाबत डॉ. मित्तल ने बताया कि मरीज के स्वास्थ्य की स्थिति सामान्य होने पर दिल्ली से आई विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के मार्गदर्शन में 16 सितंबर को पेशेंट सचिन के शरीर में गुर्दा प्रत्यारोपित कर दिया गया। इस प्रक्रिया में लगभग 4 घंटे का समय लगा।

## राहुल बने समिति के प्रदेश अध्यक्ष

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
जनहित संघर्ष समिति की बैठक संदेश नगर में हुई। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंह कुशवाह ने राहुल चौधरी को उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया।
इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जनहित संघर्ष समिति जनहित के मुद्दों को जोर-शोर से उठती है। जनता पर होने वाले शोषण के खिलाफ समय-समय पर विरोध जताया गया। उन्होंने कहा कि देश में माहौल ठीक नहीं है। जनता महंगाई, बेरोजगारी की मार झेल रही है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राहुल चौधरी ने कहा कि समिति ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा से निभाया जाएगा। जनता के हर संघर्ष में समिति साथ देगी। कमजोर, मजबूर और बेसहारा लोगों की हर संभव मदद की जाएगी। मानव अधिकारों और जनहित कार्यों से कभी पीछे नहीं हटा जाएगा। समिति की नीतियों को घर घर पहुंचाकर लोगों को जोड़ा जाएगा। युवा अवैध नशे की तरफ बढ़ रहा है जिसके लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। युवाओं को नशे से बचाना प्राथमिकता रहेगी।
इस अवसर पर अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. सुलतान अहमद, राष्ट्रीय सचिव त्रिवेंद्र शर्मा, विकास बब्बर, जिला उपाध्यक्ष मेरठ जस्सी सिंह, सुंदर सिंह मनवाल, डा. रमेश बब्बर, सोनल प्रिंस, संजीव बाबा, संदीप शर्मा, राजेंद्र कुमार, रविकांत सिंह, अनमोल आदि उपस्थित थे।

## चोरी का आरोपित गिरफ्तार, सामान बरामद

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
पुलिस ने मस्जिद में चोरी करने के आरोपित को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।
पुलिस ने थाना क्षेत्र से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के पास से चोरी किया गया गल्ला व 10820 रुपये नगद बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम आरिफ उर्फ पेप्सी पुत्र मोबीन निवासी मोहल्ला मलकपुर मंगलौर, हरिद्वार बताया।
कोतवाली मंगलौर में तस्लीम निवासी मोहल्ला मर्दगान कस्बा, थाना मंगलौर ने मंगलौर मस्जिद में तोड़फोड़ करने व चोरी किए जाने के संबंध में अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था।

## यूकेडी ने की ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग

**हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया**
हल्दूचौड़ गौला गेट के पास इस्तेमाल किए जा रहे ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक लगाने की मांग को लेकर आज यूकेडी कार्यकताओं ने क्षेत्रीय अधिकारी उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को ज्ञापन सौंपा।इस ज्ञापन में यूकेडी ने कहा कि रात-दिन ध्वनि विस्तार यंत्रों का नियम विरुद्ध इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इस पर जल्द रोक न लगाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।। इस दौरान यूकेडी के पूर्व केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल, दीपक भारती, भास्कर कुमार मौजूद रहे।

## फैक्टरी गोदाम में लगी आग, कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
नारायण इंडस्ट्रीज रायपुर इंडस्ट्रीज एरिया भगवानपुर मंगलवार की अलसुबह एक फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग से फैक्टरी के गोदाम का सामान जलकर राख हो गया। दमकल की कई गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।
आज सुबह साढ़े तीन बजे पुलिस को नारायण इंडस्ट्रीज रायपुर इंडस्ट्रीज एरिया भगवानपुर में फैक्टरी के गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। इस पर प्रभारी भगवानपुर एवं प्रभारी रुड़की के नेतृत्व में तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का कार्य किया। आग की सूचना पर सीएफओ भी मौके पर पहुँचे,

परंतु आग को बढ़ते हुए देखकर मायापुर से 2 गाड़ियां, लक्सर, देहरादून से दो गाड़ियां एवं सहारनपुर से दो गाड़ियां मौके पर मंगाई गईं।
आग इतनी भयावह थी के कई लाख लीटर पानी और कई सौ लीटर फोम के इस्तेमाल के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया गया। नजदीकी गोदरेज इंडस्ट्रीज की तरफ इस आग को बढ़ता देख फायर सर्विस ने तत्परता से नारायण इंडस्ट्री के एक हिस्से में ही आग पर चारों तरफ से पानी डालना शुरू किया। करीब 7-8 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से आसपास मौजूद दर्जनों फैक्ट्रियों में आग फैलने से बच गई, नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था। प्राथमिक जांच में पता चला की इंडस्ट्री के अंदर बल्ब और ट्यूबलाइट का काम चल रहा था और प्रीतम इंडस्ट्रीज का वेयरहाउस भी मौजूद था। फिलहाल आग लगने का कारण अभी पता नहीं लग सका है। आग के कारण पूरा रायपुर इंडस्ट्रियल क्षेत्र धुएं के गुबार से ढक गया था। आग के कारण लाखों का नुकसान होने का अनुमान है।

## न्यूज फ्लैश

### बाल विवाह मुक्त उत्तराखंड के लिए मशाल जुलूस निकाला व शपथ ली

**देहरादून।** किसी सामाजिक मुद्दे पर पहले शायद ही देखी गई इस तरह की एकजुटता और उसके साथ सरकार के मार्गदर्शन के नतीजे में उत्तराखंड के सैकड़ों गांवों में आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रमों को अभूतपूर्व समर्थन मिला। महिलाओं के नेतृत्व में नैनीताल और देहरादून जिलों के गांवों में मशाल जुलूस निकाले गए और लाखों स्त्रियों, पुरुषों व बच्चों ने जाति-धर्म भूल कर राज्य से बाल विवाह के पूरी तरह खात्मे के लिए शपथ ली। इससे पहले, उत्तराखंड सहित कई राज्य सरकारों ने विभिन्न विभागों और अन्य हितधारकों को पत्र लिख कर उनसे बाल विवाह के खिलाफ अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने और राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए लोगों को शपथ दिलाने का निर्देश दिया था। नतीजे में कचहरी से लेकर पुलिस थानों, शहरों के चौराहों से लेकर गांव की चौपालों, पूरे देश में बच्चों से लेकर बाल विवाह की पीड़ित महिलाओं तक करोड़ों लोग इस अभियान से जुड़े और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। पूरे देश में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान 2030 तक बाल विवाह के पूरी तरह खात्मे के उद्देश्य से महिलाओं की अगुआई में 160 गैर सरकारी संगठनों द्वारा 300 से ज्यादा जिलों में चलाया जा रहा है।

### 21 अक्टूबर को होगा गरबा मस्ती का मजा क्रिएटिव हब के साथ

**देहरादून।** क्रिएटिव हब का डांडिया एवं गरबा इवेंट 21 अक्टूबर को लग्जरिया फॉर्म में होने जा रहा है इसके लिए दो दिन की मुफ्त क्लासेस आज व कल आयोजित की गई है। वहीं इस बार आयोजन में बंगाल के कल्चर की झलक भी देखने को मिलेगी। अधिक जानकारी देते हुए आयोजक मीतू बंसल ने बताया कि क्रिएटिव हब जो की एक वेडिंग प्लानिंग कंपनी है जो सगाई से विदाई तक करवाते है को डांस म्यूजिक आदि क्षेत्र में एक व्यापक अनुभव है । पारंपरिक और पश्चिमी नृत्य के साथ-साथ अपने शहर का पारंपरिक गरबा प्रस्तुत करना और डांडिया रास लगातार करवाने का 12 बार सफल आयोजन करवाने का भी श्रेय क्रिएटिव हब को जाता है।
मीतू ने कहा की अब उनको अपने 13वें संस्करण की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। इस वर्ष भी यह आयोजन लक्सुरिया फार्म बाय द सॉलिटेयर कैनाल रोड पर स्थित है में होगा जिसमे दिल्ली के नवाब साहब का डीजे होगा जो हर साल धूम मचाता है।

## विधायक प्रेमचंद ने महिला जनप्रतिनिधियों को चुनरी ओढ़ाकर किया सम्मानित

**सम्मान**

8 वह घर, मोहल्ला सौभाग्यशाली होता है जहां माता का गुणगान होता है : डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल

**ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया**
शारदीय नवरात्र के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक और मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने महिला जनप्रतिनिधियों को पुष्प गुच्छ माता की चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया।
मंगलवार को बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम डॉ. अग्रवाल ने महिला

मोर्चा जिला अध्यक्ष कविता साह, पूर्व ब्लाक प्रमुख नगीना रानी, पूर्व पंचायत सदस्य रुक्मणी व्यास, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा निर्मला उनियाल, प्रधान खदरी खड़कमाफ संगीता थपलियाल, प्रधान गुमानी वाला दीपिका व्यास, पार्षद बापू ग्राम रश्मि देवी, पार्षद सुमन विहार लक्ष्मी रावत, पार्षद मुखर्जी मार्ग रीना शर्मा, प्रधान हरिपुर कला गीतांजलि जखमोला, जिला पंचायत सदस्य दिव्या बेलवाल को सम्मानित किया।
डॉ. अग्रवाल ने कहा कि नवरात्रि के पवित्र दिनों में मातृ शक्ति को सम्मानित कर गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह घर, मोहल्ला सौभाग्यशाली होता है जहां माता का गुणगान होता है और जो इसमें सम्मिलित होता है माता की उस पर विशेष कृपा होती है। कहा कि हर परिस्थिति में हमें माता का साथ मिलता है। हमारी सनातन संस्कृति को बचाने में भी माता का गुणगान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को हमारी सरकार उचित सम्मान देने की दिशा में कदम उठा रही है। चाहे केंद्र सरकार हो, जिन्होंने महिलाओं के लिए लोकसभा व राज्य की विधान सभाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण किया है। उन्होंने कहा कि राज्य की धामी सरकार ने भी सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत महिला आरक्षण लाकर मातृशक्ति को समुचित सम्मान दिया है, जिसकी वह हकदार हैं।

## आवासीय संस्था से रैन बसेरों का संचालन वापस लेगा नगर निगम

**हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया**
मूक बधिर एवं दृष्टिबाधित बच्चों की आवासीय संस्था के महासचिव श्याम सिंह धानक पर यौन शोषण के आरोपों और गिरफ्तारी के बाद धीरे-धीरे करके मामले सामने आ रहे हैं। नगर निगम अब आवासीय संस्था से रैन बसेरों का संचालन वापस लेने की तैयारी कर रहा है।
हल्द्वानी- काठगोदाम नगर निगम के दो रैन बसेरे का संचालन धानक की मूक बधिर एवं दृष्टिबाधित बच्चों की आवासीय संस्था के माध्यम से होता था।

## नाबालिग से दुष्कर्म कर फरार 15 हजार का इनामी गिरफ्तार

**सम्मान**

8 पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपित को हिलबाई पास रोड मोतीचूर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया।

**हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया**
नाबालिग से बलात्कार कर फरार हुए 15000 रुपये के इनामी अपराधी को घटना के डेढ़ साल बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपित को हिलबाई पास रोड मोतीचूर जाने

वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।
पुलिस ने आरोपित के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपित की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी, लेकिन आरोपी घटना के बाद से ही लगातार पुलिस से बचता रहा। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए 15 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था।
पुलिस के मुताबिक भूपतवाला हरिद्वार निवासी एक व्यक्ति ने नगर कोतवाली में शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री (12 वर्ष) के साथ श्याम बाबू पुत्र महावीर प्रसाद निवासी दुर्गानगर भूपतवाला ने दुष्कर्म किया है।

## भ्रष्टाचार और अन्य प्रकरणों को समय बद्ध ढंग से निपटाएं :रतूड़ी

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
अपर मुख्य सचिव गृह राधा रतूड़ी ने सचिवालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक के दौरान सतर्कता विभाग को भ्रष्टाचार और अन्य महत्वपूर्ण मामलों की जांच समयबद्धता से पूरा करने के निर्देश दिए हैं।
अपर मुख्य सचिव गृह ने एसीएस ने टोल फ्री नम्बर 1064 पर प्राप्त भ्रष्टाचार से सम्बन्धित शिकायतों का विभागवार विश्लेषण करके अधिक शिकायतों वालों विभागों की जानकारी कार्मिक विभाग और मुख्यमंत्री कार्यालय को नियमित रूप से भेजने के निर्देश दिए हैं। कार्मिक विभाग ऐसे विभागों की कार्य संस्कृति सुधारने के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करेगा। एसीएस रतूड़ी ने सीएम हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 1905 पर प्राप्त शिकायतों के निवारण हेतु आईटी के अधिकाधिक प्रयोग करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग जन शिकायतों के स्थायी समाधान के लिए संस्थागत सुधार का मार्ग अपनाये। अपर मुख्य सचिव ने सतर्कता विभाग को भ्रष्टाचार व अन्य महत्वपूर्ण संवेदनशील मामलों की जांच के लिए स्पेशलाइज्ड कमेटी गठन के निर्देश दिए, इस कमेटी में मामले से सम्बन्धित सभी टेकनीकल विशेषज्ञ होंगे जो समयबद्धता से केसों की जांच सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने सतर्कता विभाग को उत्तराखण्ड सचिवालय में कार्मिकों के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के सम्बन्ध में कार्यशाला आयोजित करने और राज्य की विभिन्न जांच एजेन्सियों के मध्य सूचनाओं के आदान प्रदान एवं प्रभावी समन्वय हेतु गृह विभाग के अनुरक्षण में नियमित बैठकों के आयोजन को निर्देश दिए हैं।
बैठक में सतर्कता विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि राज्य गठन के बाद से अब तक राज्य में कुल 252 ट्रैप हुए हैं। राज्य गठन के बाद से वर्तमान तक कुल 59 केसों में सजा हो चुकी है। वर्ष 2023 में टोल फ्री नम्बर 1064 से देहरादून सेक्टर में 176 शिकायतें तथा हल्द्वानी सेक्टर में 118 शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

## सांसद निधि खर्च करने में फिसड्डी साबित हुए जनप्रतिनिधि : आरटीआई

**देहरादून/टीम एक्शन इंडिया**
उत्तराखंड के सांसद भी सांसद निधि खर्च करने में बहुत पीछे हैं। यह खुलासा सूचना अधिकार के तहत मिली जानकारी से हुआ है। सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीमुद्दीन ने ग्राम्य विकास कार्यालय से जो जानकारी प्राप्त की है, उसके तहत उत्तराखंड के सांसदों की 74.12 प्रतिशत कुल 95.65 करोड़ की सांसद निधि अभी खर्च होने को शेष है।
इसमें लोकसभा सांसदों जिनका कार्यकाल समाप्त होने को कुछ माह ही शेष हैं, उनकी 64.77 प्रतिशत 56.45 करोड़ की सांसद निधि खर्च होने को शेष है। केन्द्रीय मंत्री और नैनीताल सांसद अजय भट्ट की 61.31 प्रतिशत 10.6 करोड़ और पूर्व मुख्यमंत्री तथा पौड़ी सांसद तीरथ सिंह रावत की 78.65 प्रतिशत 13.63 करोड़

की सांसद निधि खर्च नहीं हो सकी।
ग्राम विकास आयुक्त कार्यालय से सांसद निधि खर्च सम्बन्धी सूचना के उत्तर में लोक सूचना अधिकारी/उपायुक्त (प्रशासन) सुधा तोमर ने अपने पत्रांक 1109 के साथ सांसद निधि खर्च के जुलाई 2023 के विवरण उपलब्ध कराये हैं, जिसमें जुलाई 2023 के अंत तक की उत्तराखंड के लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को सांसद निधि खर्च का विवरण दिया है। भारत सरकार के सांसद निधि जारी करने वाले नोडल मंत्रालय सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के लोक सूचना अधिकारी से सांसद निधि जारी करने सम्बन्धी विवरण एमपी लैड्स वेबसाइट पर उपलब्ध होना सूचित किया है।
बेवसाइट से 12 अक्टूबर 23 को उपलब्ध सूचना डाउन लोड करने पर उत्तराखंड के वर्तमान सांसदों की 77 करोड़ की सांसद निधि जारी न होने का खुलासा हुआ है। उत्तराखंड के वर्तमान 5 लोक सभा सांसद कुल 85 करोड़ की सांसद निधि प्राप्त करने के पात्र हैं, लेकिन उन्हें पिछली सांसद निधि किस्त के खर्च सम्बन्धी प्रमाण, आडिट रिपोर्ट आदि प्राप्त न होने के कारण 45 करोड़ की सांसद निधि 12 अक्टूबर 23 तक जारी ही नहीं हुई है, जबकि भारत सरकार से प्राप्त 40 करोड़ की सांसद निधि में 2.15 करोड़ का ब्याज जोड़कर कुल 42.15 करोड़ की सांसद निधि में से जुलाई 2023 तक 11.45 करोड़ की सांसद निधि खर्च नहीं हो सकी। जारी न हुई जोड़कर कुल 56.45 करोड़ की सांसद निधि जो कुल सांसद निधि का 64.77 प्रतिशत है, खर्च होने को शेष है।
उत्तराखंड के राज्यसभा के वर्तमान 3 सांसदों के 12 अक्टूबर 23 तक 41.5 करोड़ की सांसद निधि प्राप्त करने पात्र हैं, लेकिन उन्हें 32 करोड़ की सांसद निधि जारी नहीं हुई है। जबकि भारत सरकार से प्राप्त 9.5 करोड़ की सांसद निधि में 0.4 करोड़ का ब्याज जोड़कर कुल उपलब्ध 9.9 करोड़ की सांसद निधि में से 7.2 करोड़ की सांसद निधि खर्च नहीं हो सकी है। जारी न हुई जोड़कर कुल 39.2 करोड़ की सांसद निधि जो कुल सांसद निधि का 93.56 प्रतिशत है, खर्च होने को शेष है।
12 अक्टूबर 23 तक लोक सभा सांसद 17-17 करोड़ रुपये की सांसद निधि भारत सरकार से प्राप्त करने के पात्र है। लेकिन हरिद्वार सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल, नैनीताल सांसद अजय भट्ट तथा पौड़ी सांसद तीरथ सिंह रावत को 7-7 करोड़ तथा अल्मोड़ा सांसद अजय टम्टा और टिहरी सांसद माला राज लक्ष्मी को 9.5-9.5 करोड़ की सांसद निधि 12 अक्टूबर 23 तक जारी हुई है। इनकी क्रमशः 10 करोड़ तथा 7.5 करोड़ की सांसद निधि जारी होने को शेष है।

## संपादकीय

# क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशखबरी का जोरदार छक्का

**वैश्विक** स्तरपर अगर हम 2023 वर्ष में 17 अक्टूबर 2023 तक के भारत में स्थापित वर्षों से लंबित और स्थापित नए कीर्तिमानों की करें तो हरभारतीय का सीना गर्व से फूल उठेगा क्योंकि वर्ष 2023 में हमने कई रिकॉर्ड कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिसमें ढाई महीने अभी बाकी है।वर्ष के अंत तक और भी नए कीर्तिमान स्थापित होना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता जिसमें हांगझू एशियन गेम्स में 72 वर्षों बाद पहली बार 107मैडल मिले, वर्ष 2023 जी-20 बैठक, दिल्ली घोषणा पत्र, अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों की मेजबानी, वैश्विक संस्थाओं की बैठक एयरो इंडिया 2023, चंद्रयान-3, वैश्विक अर्थव्यवस्था में पांचवा नंबर, 33 प्रतिशत महिला आरक्षण कानून सहित अनेंकों उपलब्धियां को अगर हम गिनने जाएंगे तो स्थान कम पड़ जाएगा और अभी-अभी 15 -17 अक्टूबर 2023 अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ जिसका समापन आज दिनांक 17 अक्टूबर 2023 को हुआ। यह 141वीं आईओसी की मेजबानी भारत 40 साल के बाद दूसरी बार किया है इसमें पूर्व 1983 में आईओसी के 86 वें सत्र का आयोजन किया गया था।
वर्तमान सत्र का उद्घाटन माननीय पीएम ने 14 अक्टूबर 2023 को किया था जिसका समापन आज 17 अक्टूबर 2023 को संपन्न हुआ।इसकी सबसे बड़ीउपलब्धि भी भारत में ही हुई कि 128सालों के बाद क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशखबरी का जोरदार छका भारत में ही लग गया है, क्योंकि अमेरिका के लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ग्रीषामकालीन ओलंपिक गेम्स में क्रिकेट को शामिल कर दिया गया है, जिसकी घोषणा भी भारतीय भूमि पर ही की गई है और 2036 में भारत में ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए आशा में और 2029 में होने वाले युवा ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी उत्साहित है।चूंकि आज 128 सालों के बाद ओलंपिक में क्रिकेट मैच 20-20 फार्मेट में खेलने की घोषणा आईओसी ने की है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मंचों की बैठकों, खेल टूनामेंट में अपनी क्षमता को सिद्ध कर दुनियां का स्वागत करने के अवसर को निभाया है।
साथियों बात अगर हमआईओसी द्वारा दिनांक 16अक्टूबर 2023 को ओलंपिक गेम्स में क्रिकेट को शामिल करने की घोषणा की करें तो, क्रिकेट फैंस के लिए बड़ी एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है, अमेरिका के लॉस एंजिलिस में साल 2028 में होने वाले ओलंपिक गेम्स में क्रिकेट की एंट्री हो चुकी है। इंटरनेशनलओलंपिक कमिटी की मुंबई बैठक में इस पर अंतिम फैसला लिया गया। इस बैठक में क्रिकेट के साथ ही 4 अन्य खेलों को भी ओलंपिक्स 2028 में शामिल करने काफैसला लिया गया,जिसमें बेसबॉल सॉफ्टबॉल फ्लैग फुटबॉल, स्क्वैश और लैक्रोस भी शामिल हैं। बता दें कि इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने पिछले सप्ताह ही इन पांच खेलो को ओलंपिक्स 2028 में शामिल करने के लॉस एंजिल्स खेल आयोजकों के प्रस्ताव पर बातचीत की मंजूरी दे दी थी।ओलंपिक 2028 में क्रिकेट के साथ बेसबॉल-सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, स्क्वैश और लैक्रोस भी आयोजित होंगे।

# अजन्मे बच्चे के अधिकार पर सुप्रीम फैसला

राजेश माहेश्वरी

> "गर्भ गिराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची महिला का कहना था कि मानसिक स्थिति ठीक न होने और कई बीमारियों से जूझने के कारण वह बच्चे को जन्म देने की स्थिति में नहीं है। कानून के मुताबिक 24 सप्ताह से अधिक के भ्रूण को गिराया नहीं जा सकता। यह बात अलग है कि बलात्कार जैसे मामलों में पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने कानून में तय समयावधि से ज्यादा के गर्भ के मामलों में भी गर्भपात की अनुमति दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्टिकल 21 का जो अधिकार है, वह कोई पूर्ण अधिकार नहीं है उसे कम किया जा सकता है, अगर सामने वाला बैलेंसिंग ऑफ इंट्रेस्ट में बात करे कि एक बच्चे का इंट्रेस्ट है कि वह इस पोजीशन में है कि उसे अगर बाहर निकाला जाए तो वह जिंदा बच्चा होगा"

**सुप्रीम** कोर्ट ने छब्बीस सप्ताह का गर्भ गिराने की मांग करने वाली याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी है कि चूंकि भ्रूण का विकास सामान्य है इसलिए उसे जन्म लेना चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि बच्चे की स्थिति एक दम सही है और उसे जन्म मिलना ही चाहिए। अदालत कह चुकी है कि महिला यदि चाहे तो पैदा होने वाले बच्चे को सरकार को सौंप सकती है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान कुछ दिन पहले सीजेआइ ने कहा था कि बेशक मां की स्वायत्तता बड़ी है, पर यहां अजन्मे बच्चे के लिए कोई भी पैरवी नहीं कर रहा है जो उसके अधिकारों की बात कर सके। सुप्रीम कोर्ट के सामने बड़ा मुद्दा था। यह प्रेग्नेंसी 24 हफ्ते से ऊपर चली गई थी। अब हमारा जो कानून है वह 24 हफ्ते तक गर्भपात कराने का अधिकार देता है। कानून महिला को इस दौरान पूरा अधिकार देता है कि वह तय कर सकें कि बच्चे को रखना है या नहीं अगर 24 हफ्ते से ऊपर यानी 26 वीक या 28 वीक के केस आते हैं, जहां गर्भ में पल रहे शिशु के लाइफ की उम्मीद ज्यादा बढ़ती जाती है तो वहां पर सुप्रीम कोर्ट के सामने महत्वपूर्ण सवाल आया कि हम क्या करें? क्या हम महिला के आर्टिकल 21- राइट टू लाइफ को मानें जिसके तहत महिला कहती है कि उसके पास अधिकार है कि वह बच्चे को रखे या नहीं, या उस अजन्मे बच्चे को रखना है जहां इस केस में मेडिकल एक्सपर्ट की राय आई कि जो बच्चा है उसकी लाइफ है, वो लिविंग भ्रूण है। वह अगर बाहर आएगा तो बहुत चांसेज इस बात के हैं कि वह जिंदा रहेगा। मुख्य न्यायाधीष डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हम दिल की धड़कन को नहीं रोक सकते। अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल पूर्ण न्याय करने के लिए किया जा सकता है, लेकिन इसका इस्तेमाल हर मामले में नहीं करना चाहिए। यहां डॉक्टरों को भ्रूण की समस्या का सामना करना पड़ेगा। उचित समय पर एम्स द्वारा डिलीवरी कराई जाएगी। यदि दंपति बच्चे को गोद लेने के लिए छोड़ना चाहते हैं तो केंद्र माता-पिता की सहायता करेगा। बच्चे को गोद देने का विकल्प माता-पिता पर निर्भर करता है।
मामले की सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट कॉलिन गोंसाल्वेस ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून में आज अजन्मे बच्चे



या अजन्मे भ्रूण का कोई अधिकार नहीं है। यह यूके और कोलंबिया की अदालतों सहित पांच संवैधानिक अदालतों का निर्णय है। पिछले 12 वर्षों में सरकार की एक गाइडलाइन के माध्यम से भ्रूण हत्या की अनुमति दी गई है और इसे निखिल दातार मामले में निर्धारित किया गया था। सभी गर्भपात से भ्रूण की मृत्यु हो जाती है क्योंकि यह बच्चे के दिल को स्थिर कर देता है। इस पर सीजेआई ने कहा कि तो आप कह रहे हैं कि यदि कोई महिला 33 सप्ताह में आती है तो उसे गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए.. तो बच्चे की असामान्यताएं या मां के लिए जोखिम के बावजूद.. एक सप्ताह पहले भी वह बच्चे से छुटकारा पा सकती है? सुनवाई के दौरान एडवोकेट ने कहा कि हमें धारा 5 में जीवन की उदार और उद्देश्यपूर्ण व्याख्या करने की आवश्यकता है। इस पर सीजेआई ने कहा, आप कह रहे हैं कि फिजिकल लाइफ को खतरा नहीं है। लेकिन हां मानसिक जीवन भी एक हिस्सा है.. लेकिन यहां यह तात्कालिकता की भावना के बारे में है कि यदि आप गर्भावस्था को समाप्त नहीं करते हैं तो इससे उसके जीवन को खतरा होगा। मुख्य न्यायाधीष ने कहा कि आप कह रहे हैं कि जीवन को सार्थक बनाने के लिए जीवन की व्याख्या करें... तो आप उसे 35वें सप्ताह में भी यह ओवरराइडिंग पावर देना चाहते हैं.. जो नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि भारत प्रतिगामी नहीं है। सीजेआई ने कहा कि देखें कि में क्या हुआ। देखें कि रो बनाम वेड मामले का क्या हुआ। यहां भारत में 2021 में विधानमंडल ने संतुलन बनाने का काम किया है। अब यह अदालतों को देखना है कि संतुलन बनाने का काम सही है या नहीं। क्या हम इन बढ़ते मामलों में ऐसे कदम उठाने की विधायिका की शक्ति से इनकार कर सकते हैं? हमें लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित विधायिका को वह शक्ति क्यों देने से इनकार करना चाहिए और क्या हम इससे अधिक कुछ कर सकते हैं? मुख्य न्यायाधीष ने कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता है कि प्रत्येक लोकतंत्र के अपने अंग होते हैं और उन्हें कार्य करना चाहिए। आप हमें विष्व स्वास्थ्य संगठन के बयान के आधार पर हमारे कानून को पलटने के लिए कह रहे हैं? मुझे नहीं लगता कि ऐसा किया जा सकता है।
सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने महिला का अपने ऊपर अधिकार और अजन्मे बच्चे के अधिकारों को लेकर ऐसी चर्चा को जन्म दिया है जिसे लेकर ठोस प्रावधान होना ही चाहिए। यों कहा जाना चाहिए कि अजन्मे शिशु के अधिकारों और माता के अधिकारों के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है।
गर्भ गिराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची महिला का कहना था कि मानसिक स्थिति ठीक न होने और कई बीमारियों से जूझने के कारण वह बच्चे को जन्म देने की स्थिति में नहीं है। कानून के मुताबिक 24 सप्ताह से अधिक के भ्रूण को गिराया नहीं जा सकता। यह बात अलग है कि बलात्कार जैसे मामलों में पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने कानून में तय समयावधि से ज्यादा के गर्भ के मामलों में भी गर्भपात की अनुमति दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्टिकल 21 का जो अधिकार है, वह कोई पूर्ण अधिकार नहीं है उसे कम किया जा सकता है, अगर सामने वाला बैलेसिंग ऑफ इंट्रेस्ट में बात करे कि एक बच्चे का इंट्रेस्ट है कि वह इस पोजीशन में है कि उसे अगर बाहर निकाला जाए तो वह जिंदा बच्चा होगा। तो क्या उसके हार्ट को रोकना सही होगा? या फिर आर्टिकल 21 में उस महिला के अधिकार को बरकरार रखना ही सही होगा? सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में दोनों ही अधिकारों को (एक मां और शिशु) बैलेंस किया है। यह फैसला किसी के खिलाफ नहीं है। न ही मां के खिलाफ है और न ही बच्चे के बहुत पक्ष में है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला निश्चित ही मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखकर आया है। एक तथ्य यह भी है कि दुनिया भर में गर्भपात के उदार कानून की मांग को लेकर आंदोलन का दौर भी जारी है। खास तौर से यह आंदोलन उन महिलाओं का पक्षधर है जो अवांछित गर्भ ठहर जाने के कारण गैर-कानूनी गर्भपात का सहारा लेकर अपनी जान तक खतरे में डाल देती हैं। एक पक्ष यह भी है कि हमारे देश में शिक्षा के प्रसार के बावजूद खास तौर से ग्रामीण इलाकों में गर्भनिरोधकों के विकल्पों का प्रचार व्यापक नहीं है। न ही ऐसे इलाकों में महिलाएं गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी कर पातीं। ऐसे में बच्चे का सुरक्षित जन्म लेना या फिर विकृत या अक्षम अवस्था में पैदा होने को ईश्वरीय देन ही समझा जाता है। ऐसे में जरूरत है कि देश में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच की और प्रभावी व्यवस्था हो। मोटे तौर पर सवाल सिर्फ महिलाओं का उनके शरीर पर अधिकार का ही नहीं है बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के जिंदा रहने के अधिकार का भी है। इस तथ्य को भी ध्यान में रखना आवश्यक होगा कि हमारे देश में कानूनी प्रतिबंध के बावजूद कन्या भ्रूण हत्या के मामले सामने आते ही रहते हैं। जरूरत इस बात की है कि अजन्मे बच्चों के हकों की भी चिंता की जाए।

**-लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।**

## कविता

### सच लौटकर आ जाते हम

सच दूर से लौटकर आ जाते हम, बस एक
आवाज लगाई तो होती,

दूर नहीं थोड़े फासले में था मैं,
थोड़ी सही वफा दिखाई तो होती,

रफ्ता रफ्ता वक्त गुजर गया हाथों से,
कुछ दिल की सदा हमें सुनाई तो होती।

गुजारिश है लौट आओ तुम्हारे हम कदम हैं
हम,
काश जुदाई में दोस्ती की गुंजाइश तो होती ।

बमुश्किल तुम्हें खुदा से मांगा था
थोड़ी खुदा को सफाई दी तो होती।

तैरने के हुनर से गर वाकिफ न होता मैं,
इस दरिया में अपनी जान डुबाई तो होती।

लो अब भी डूब हो जाते हैं,इस दरिया में,
तेरी मोहब्बत में जरा गहराई तो होती ।

संजीव ठाकुर

## भारत के युवाओं में शक्ति,सामर्थ्य

**संजीव ठाकुर**

**हमें** सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, वर्तमान का कठोर श्रम सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर होता है। इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि "आशाओं पर आकाश टिका हुआ है" और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरूआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी।

## विचार

# अजन्मे बच्चे के अधिकारों की रक्षा का बड़ा मानवीय फैसला

**ललित गर्ग**

सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर कभी-कभी नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से जुड़े मुद्दे भी विचाराधीन आते हैं, भारतीय न्यायालय की विशेषता रही है कि वह ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए अनूठे फैसले लेकर मानवीय एवं नैतिक मूल्यों को मजबूती दी है। ऐसे ही एक मामले में अजन्मे बच्चे की नैतिकता के आधार पर पैरवी खुद सुप्रीम कोर्ट ने करते हुए एक मिसाल कायम की है। सुप्रीम कोर्ट ने छब्बीस सप्ताह का गर्भ गिराने की मांग करने वाली याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी है कि चूंकि भ्रूण का विकास सामान्य है इसलिए उसे जन्म लेना चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि बच्चे की स्थिति एक दम सही है और उसे जन्म मिलना ही चाहिए। अदालत कह चुकी है कि महिला यदि चाहे तो पैदा होने वाले बच्चे को जन्म के बाद सरकार को सौंप सकती है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान कुछ दिन पहले सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड ने कहा था कि बेशक मां की स्वायत्तता बड़ी है, पर यहां अजन्मे बच्चे के लिए कोई भी पैरवी नहीं कर रहा है जो उसके अधिकारों की बात कर सके। निश्चित ही भारतीय न्यायालय के सम्मुख यह अपने आप में एक अनूठा मामला है जिसमें एक अजन्मे शिशु के अधिकारों के लिए सर्वोच्च न्यायालय नैतिक आधार पर पक्षकार बना है।
शादीशुदा महिला को 26 हफ्ते का गर्भ गिराने की मंजूरी देने का फैसला वापस लेने की केंद्र की गुहार पर सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने पिछले बुधवार को खंडित फैसला सुनाया था। बेंच में जस्टिस हिमा कोहली ने कहा था कि कौन-सी अदालत कहेगी कि एक भ्रूण के दिल की धड़कनों को रोका जाए। मैं गर्भपात की मंजूरी नहीं दे सकती। वहीं, जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि कोर्ट को महिला के फैसले का सम्मान करना चाहिए, जो गर्भ को गिराना चाहती है। अलग-अलग राय होने पर पर मामला बड़ी बेंच को भेजा गया था। अब कोर्ट के सम्मुख जहां महिला के सुरक्षित एवं स्वस्थ रहने के अधिकार का मामला था वहीं एक अजन्मे बच्चे के अधिकार का भी मामला था। कोर्ट ने दोनों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए जो फैसला लिया, वह कानून से ज्यादा मानवीय दृष्टि से लिया गया फैसला है। अदालत का यह फैसला निश्चित ही मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखकर आया है। एक तथ्य यह भी है कि दुनिया भर में गर्भपात के उदार कानून की मांग को लेकर आंदोलन का दौर भी जारी है। खास तौर से यह आंदोलन उन महिलाओं का पक्षधर है जो अवांछित गर्भ ठहर जाने के कारण गैर-कानूनी गर्भपात का सहारा लेकर अपनी जान तक खतरे में डाल देती हैं। मोटे तौर पर सवाल सिर्फ महिलाओं का उनके शरीर पर अधिकार का ही नहीं है बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के जिंदा रहने के अधिकार का भी है। इस तथ्य को भी ध्यान में रखना आवश्यक होगा कि हमारे देश में कानूनी प्रतिबंध के बावजूद कन्या भ्रूण हत्या के मामले सामने आते ही रहते हैं। जरूरत इस बात की है कि अजन्मे बच्चों के हकों की भी चिंता की जाए और गर्भ में ही ऐसे अजन्मे बच्चों को मार देने के प्रचलन पर नियंत्रण की भी पुख्ता व्यवस्था हो। ताजा मामले में कई सवाल खड़े हुए हैं कि क्या एक अजन्मे बच्चे को भी एक आम के बराबर कुछ अधिकार मिलते हैं। सबसे पहला सवाल तो यही उठता है कि क्या भ्रूण एक कानूनी व्यक्ति है या नहीं? इस सवाल का जवाब इस आधार पर दिया जा सकता है कि भ्रूण में जीवन है या नहीं? भारतीय कानूनों में जीवन और मृत्यु से जुड़े कई प्रावधान हैं। भारत के आपराधिक कानून के अनुसार, गर्भावस्था की अवधि के लिए बच्चा मां के पास होता है और भ्रूण के रूप में बच्चे का जीवन होता है। अगर कोर्ट और कानून भ्रूण के रूप में बच्चे का जीवन स्वीकार करते हैं तो उसके कुछ संविधानिक अधिकार भी होते हैं। आधुनिक समय में भ्रूणों और विशेषतः कन्याभ्रूणों की हत्या का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। जबकि भारतीय संस्कृति में मां की ममता का एक रूप तो वह था, जिसमें वह अपने विकलांग, विक्षिप्त और बीमार बच्चे का आखरी सांस तक पालन करती थी। परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा की गई उसकी उपेक्षा से मां पूरी तरह से आहत हो जाती थी। वही भारतीय मां अपने अजन्मे, अबोल शिशु को अपनी सहमति से समाप्त कराने को क्यों एवं कैसे तत्पर हो सकती है? क्या उसकी ममता का स्रोत सूख गया है?


# एक्शन इंडिया दैनिक

**भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।**

**आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653**

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

**सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)**
**actionindiaddn@gmail.com**



**वैधानिक सूचना**

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।


## चिंतन

# संकट के मित्र इजराइल का साथ देने का वक्त

**आर.के. सिन्हा**

**चरमपंथी** संगठन हमास ने इजराइल पर अचानक हमला करके जिस तरह का नृशंस भीषण कत्लेआम किया, उसकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से की गई त्वरित निंदा से यह साफ हो गया है कि भारत अब इजराइल से किसी प्रकार की दूरी बनाने के लिए तैयार नहीं है। हां, भारत की यह दिली चाहत है कि फिलिस्तीनी संकट का कोई स्थायी समाधान निकले। हमास के इजराइल पर बिना कारण अचानक हमले के बाद दुनिया के बहुत से देश इजराइल के साथ स्वाभाविक रूप से खड़े हो गए। भारत भी इजराइल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इजराइल भारत के सच्चे मित्र के रूप में संकट के समय लगातार सामने आता रहा है। यह बात अलग है कि फिलिस्तीन मसले पर इंदिरा गाँधी के समय आजतक भारत आंखें मूंद कर अरब संसार के साथ खड़ा रहा। कश्मीर के सवाल पर अरब देशों ने सदैव पाकिस्तान का ही साथ दिया। लेकिन, इजराइल ने संकट के समय तो हमेशा भारत की हर तरह से मदद की। हमारे यहां के कुछ तत्व हमेशा इजराइल का खुलकर विरोध ही करते रहते हैं। उनमें वामपंथी मित्र सबसे आगे ही रहते हैं। वे भूल जाते हैं कि इजराइल हमारा संकट का मित्र है। वे युद्ध काल में भी हर पल हमारे साथ रहा है। इन सब तथ्यों की अनदेखी करते हुए हाल ही में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के छात्रों द्वारा फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन किया गया। वर्तमान परिस्थितियों में यह भारत के राष्ट्रहित के खिलाफ ही कारवाई मानी जायेगी कइन छात्रों ने फिलिस्तीन के समर्थन में विरोध मार्च भी निकाला। एएमयू के छात्रों का कहना है कि जिस तरह इजराइल द्वारा फिलिस्तीन पर जुल्म किया जा रहा है, वह सही नहीं है। लेकिन, वास्तव में अभी तो कारवाई बिना वजह फिलिस्तीनी आतंकी गुट हमास द्वारा इजराईल के खिलाफ हो रही है कइन छात्रों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से बिना अनुमति लिए ही प्रदर्शन किया। ये भी अस्वीकार्य है। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान आतंकी संगठन हमास के कत्लेआम की कोई निंदा नहीं की।
ये शर्मनाक भी है। इसे कहते हैं, उल्टे चोर कोतवाल को डांटे।

# जिहाद सदैव शस्त्रविहीन समाज को ही निगलता आया है

**दिव्य अग्रवाल**

**हमास** जैसी गतिविधियां भारत में प्रतिदिन कहीं न कहीं होती रहती हैं बस उनका प्रारूप भिन्न है। हमास द्वारा इजराइल में जब हमला किया गया उस समय नागरिकों के पास हथियार नहीं थे क्योंकि वे सभी नागरिक एक आयोजन में सम्मिलित होने आये थे । अर्थात यदि उन नागरिकों के पास शस्त्र होते तो हमास की क्षमता नहीं थी की वो कोई भी हमला इजराइल के नागरिकों पर कर सके । यही स्थिति भारत में भी है जब गैर इस्लामिक समाज अपने किसी धार्मिक आयोजन में व्यस्त हो और सुरक्षा का कोई साधन उपलब्ध न हो,जैसे शोभा यात्रा,जागरण आदि, तब मजहबी कट्टरपंथी अपनी जनसंख्या के दम पर निश्चित ही उपद्रव करता है। भारत में मजहबी कट्टरपंथियों के ऐसे अनेकों स्थान बन चुके हैं जिनमे भारतीय सुरक्षा बलों के लिए भी प्रवेश करना चुनौतीपूर्ण है तो आम जनमानस का क्या ही हाल होगा । जिस प्रकार हमास एवं मजहबी कट्टरपंथ के प्रति भारत में समर्थन जताया जा रहा है वह चिंताजनक है । दिल्ली का दंगा हो या इंटेलिजेंस के अधिकारी अंकित की निर्मम हत्या , कन्हैया का सर तन से जुदा करना हो या मेवात में सनातनी धार्मिक स्थल पर सुनियोजित हमला करना यह सब मजहबी षड्यंत्र का हिस्सा है । वास्तव में यह कहना मुश्किल है की मजहबी कट्टरपंथियों की क्या योजनाएं हैं और उन्हें कब ०किस समय क्रियान्वित किया जाएगा । कश्मीर से लेकर केरल तक , बंगाल से लेकर दिल्ली तक, मजहबी कटटरपंथ ने न जाने कितनी निर्मम हत्याएं की परन्तु पीड़ित समाज के शस्त्र विहीन होने के कारण उचित प्रतिकार न हो सका। जिसके चलते भारत के चरमपंथियों को न तो कोई भय है,न कोई पश्चाताप अपितु गैर इस्लामिक समाज के शस्त्र विहीन एवं कमजोर होने के कारण,चरमपंथियों के मंसूबे अपने उदेश्य की ओर अग्रसारित हैं। अतः यदि आत्मरक्षा हेतु पीड़ित समाज को अधिक से अधिक वैध शस्त्र लाइसेंस स्वीकृत कर दिए जाए तो निश्चित ही किसी भी अप्रिय घटना का प्रतिकार करने हेतु सभ्य समाज सदैव सक्षम रहेगा और देश के सुरक्षा बलों का साथ दे सकेगा।

## न्यूज फ्लैश

### गांव राजलू गढ़ी में तीसरा विशाल मां भगवती जागरण 21 को : मोनीनाथ

**गन्नौर।** गांव राजलू गढ़ी के शिव मन्दिर में तीसरा विशाल मां भगवती जागरण का आयोजन 21 अक्तुबर को किया जाएगा। यह जानकारी मन्दिर के महंत बाबा श्रीश्री मोनी नाथ महाराज ने दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से जागरण में भोगीपूर के धर्मेन्द्र पंडित पूजा अर्चना करेंगे। महामाई का गुणगान सोनू शहजादपुरिया एंड पार्टी करेगी। महाराज ने बताया कि 23 अक्तुबर को हवन यज्ञ के बाद कन्या पूजन किया जाएगा।

### उपायुक्त ने की दिशा की बैठक में की सरकारी योजनाओं की समीक्षा

**पानीपत/कमाल हुसैन**

**ग्रामीण व** शहरी क्षेत्र में विकास को लेकर राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न महत्त्वकांक्षी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट जानने को लेकर मंगलवार को जिला सचिवालय में विकास समन्वय एवं निगरानी कमेटी की महत्त्वपूर्ण बैठक उपायुक्त डॉ.वीरेंद्र कुमार दहिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपायुक्त ने अधिकरियों को विभिन्न विभागों में संचालित की जा रही योजनाओं को अतिशीघ्रता से पूरा करने व और गति प्रदान करने के निर्देश दिये।

बैठक में 26 सूत्रीय एजेंडे पर विस्तार से विचार विमर्श कया गया। उपायुक्त ने सख्ती बरतते हुए कहा की जो अधिकारी समय पर बैठकों में नहीं पहुंचते उनके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। बैठक में उपायुक्त ने विभागों के अध्यक्षों को कार्यों की प्रगति रिपोर्ट को निरंतर अपडेट करने के भी निर्देश दिये। उपायुक्त ने बताया कि हमें जो जिम्मदारी सरकार द्वारा दी गई है उसका हमें ईमानदारी से अपना कार्य समझ कर करना चाहिये। इससे जनता के मध्य सरकार का भरोसा बना रहता है व प्रशासन के प्रति भी जनता आस्था प्रकट करती है। उपायुक्त ने समन्वय एवं निगरानी कमेटी की बैठक में मुख्य रूप से मनरेगा,स्वच्छ भारत मिशन, दीन दयाल ग्रामीण कौशल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, नैशनल हैल्थ मिशन,समग्र शिक्षा, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना,दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना आदि की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला व अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा की।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त वीना हुड्डा, जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी विवेक चौधरी,जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप दहिया,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक आदित्य चौधरी, पशुपालन विभाग के उप निदेशक संजय आंतिल,डीडीपीओ सुमित चौधरी, पंचायत विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रदीप, बीडीपीओ रितु लाठर, विवेक , शक्ति सिंह, आईटीआई के प्रिंसीपल डॉ. कृष्ण आदि मौजूद थे।

### मुख्य सचिव ने ग्रुप डी परीक्षा के लिए वीडियो कांफ्रेंस से उपायुक्तों की बैठक में दिए दिशा-निर्देश

**पानीपत/कमाल हुसैन**

**हरियाणा के** मुख्य सचिव संजीव कौशल ने गत सांय 21 व 22 अक्टूबर को ग्रुप डी की होने वाली परीक्षा के सफल संचालन के लिए उपायुक्तों व पुलिस अधीक्षकों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने परीक्षाओं को शांतिपूर्वक और नकल रहित कराने के उचित प्रबंधन करने के निर्देश देते हुए सभी तैयारियां पूर्ण करने को कहा। वीडियो कांफ्रेंस के बाद अधिकारियों की बैठक लेते हुए उपायुक्त वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि जिला में ग्रुप डी की परीक्षा पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ संपन्न करवाई जाएगी। किसी भी प्रकार से परीक्षा को बाधित अथवा प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए धारा-144 के साथ ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने इसके लिए विशेष रूप से हेल्पलाइन नंबर 1800-180-2022 जारी किया है। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय व आपराधिक घटना की सूचना इस हेल्पलाइन नंबर पर दी जा सकती है। उपायुक्त ने बताया कि जिला में 21 व 22 अक्टूबर को ग्रुप डी की परीक्षा सुबहकालीन व सायंकालीन दोनों सत्रों में आयोजित की जाएगी।

उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों में बिजली, पानी, शौचालय की सुविधाओं के साथ जैमर व सीसीटीवी इत्यादि सुरक्षा बंदोबस्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

# छत्तीसगढ़ में भाजपा, केरल में भाजपा बिना सरकार नही बनेगी: शर्मा

## पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा ने राई विधायक मोहनलाल बड़ौली के कार्यालय में प्रेसवार्ता की

**टीम एक्शन इंडिया/राई**

**पूर्व मंत्री** रामबिलास शर्मा ने कहा कि आज सूर्य कविज लख्मी चंद की जयंती है। सूर्य कवि लखमीचंद बिना पढ़े लिखे हुए भी ब्रहम ज्ञान, सनातन को गा गए। ऐसे अमर कवि को हमेशा याद किया जाएगा। पूर्व मंत्री शर्मा मंगलवार को जी टी रोड स्थित राई विधायक मोहनलाल बड़ौली के कार्यालय में प्रेस वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि भाजपा ने पूरे प्रदेश में पन्ना प्रमुख

सम्मेलन कर दिए। कांग्रेस प्रदेश कार्य समिति व जिलाध्यक्ष तक नही बना सके। कांग्रेस कई नेताओं की पार्टी है। भूपेन्द्र हुड्डा अपनी बात कहते है, शैलजा व किरण चौधरी की न्यारी पार्टी है। रणदीप सुरजेवाला तो हाई कमान है वह राहुल को सोनीपत में धान लगवाने आए तो राहुल गांधी ने धान की पौध के पत्ते जमीन में लगा दिए और जड़ को ऊपर कर दिया। राहुल गांधी तो अमर सेनानी वीर सावरकर को गालियां देने लग जाते है। राहुल गांधी को वहम है कि वह प्रधानमंत्री को बेटा है। आज देश का ऐसा बहादुर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। जिसका बोलना, बैठना हिन्दुस्तानी है। जब देश के प्रधानमंत्री मनमोहन थे तो शिकागो में एयरपोर्ट पर उनका कोठ उतरवा दिया। आज हम हिन्दुस्तान के लोग सौभाग्यशाली है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जी 20 की बैठक में गिनी के प्रधानमंत्री पांव छोड़ नही रहे कि अगर आपने कोरोना में वैक्सीन नही दिया होता। आस्ट्रैलिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बॉस कहते है। पूर्व मंत्री ने कहा कि राजस्थान में 200 में से 136 भाजपा के विधायक बनेंगे। छतीसगढ़ में भाजपा, केरल में भाजपा बिना सरकार नही बनेगी। भाजपा में लोकसभा व विधानसभा चुनाव कौन कहा से लड़ेगा, भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व तय करता है।

## बीरबल की नगरी में निकली भव्य चुनरी यात्रा, महिलाओं में दिखा जोश

**टीम एक्शन इंडिया/संजय शर्मा**

**नारनौल। शारदीय** नवरात्रों के पावन अवसर पर शहर के मां नैना फतेह देवी मंदिर से मंगलवार को माता की चुनरी यात्रा निकाली गई। चुनरी यात्रा में सर्वप्रथम मां नैना फतेह देवी मंदिर में मंहत कैलाश हरित व पंड़ित विनोद शर्मा ने मुख्य यजमान घनश्याम गर्ग, टिंकू गर्ग, रमेश गर्ग, नरेश तथा संजय गोयल आदि सहित सभी महिलाओं को विधिविधान से पूजन करवाया। यह जानकारी देते हुए संस्था के मीडिया प्रभारी सोमदेव शर्मा ने बताया कि पूजन के बाद मंदिर परिसर से भारी संख्या में महिलाओं ने 301 मीटर लंबी चुनरी को अपने हाथों में लेकर चुनरी यात्रा निकाली। चुनरी यात्रा में शामिल अनेक पुरूष भी हाथों में माता रानी का निशान लेकर चल रहे थे। इसके अलावा बैंडबाजों के साथ माता रानी की अखंड ज्योत भी साथ-साथ चल रही थी। इस यात्रा में माता रानी की 301 मीटर की लंबी चुनरी लोगों के विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

## टोल प्लाजा पर लोगों को किया साइबर अपराध के प्रति जागरुक

**टीम एक्शन इंडिया/लालचंद नांगल चौधरी**

साइबर थाना की टीम ने आज नांगल चौधरी क्षेत्र में टोल प्लाजा पर साईबर अपराधों से बचने के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार साइबर अपराधी आमजन को शिकार बनाते हैं तथा किस प्रकार उनसे बचा जा सकता है। टीम ने वहां पर मौजूद लोगों को

समझाया कि इस प्रकार के अपराधों के बारे में जानकारी लेकर आप खुद को तथा दूसरों को भी सुरक्षित कर सकते हैं। आधुनिक समय में आपके मोबाइल पर अनेकों प्रकार के मैसेज आते हैं, जिन पर क्लिक करते ही आप का सारा डाटा साईबर आपराधियों के पास चला जाता है और आप ठगी का शिकार हो जाते हैं। आप किसी भी अंजान व्यक्ति के पास कोई भी अवांछनीय सन्देश ना भेजें तथा अपना किसी प्रकार का सन्देश शेयर न करें तथा ना ही किसी अनजान व्यक्ति से अपना ओटीपी शेयर करें। किसी अंजान व्यक्ति के साथ आधार नंबर, इमेल आईडी, सत्यापन कोड व अन्य निजी जानकारी सांझा न करें। सोशल मीडिया खातों के लिए दो-चरणीय सत्यापन को सक्रिय करें। यह आपके खाते की सुरक्षा को बढ़ाएगा। पिन या किसी अन्य संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी के लिए पूछने वाले व्यक्तिगत संदेशों पर प्रतिक्रिया न दें। मैसेजिंग एप्स या सोशल मीडिया ऐसे किसी भी प्रकार के मैसेज नहीं भेजता है और न ही फोन या सन्देश के द्वारा आपसे कोई निजी जानकारी मांगता है। व्यक्तिगत संदेशों पर प्रतिक्रिया न दें, सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

## 'विद्यार्थी अपने अंदर अनुशासन की भावना को सदैव बनाए रखें'

**पानीपत/कमाल हुसैन**

**उपायुक्त वीरेंद्र** कुमार दहिया ने आर्य कॉलेज में आयोजित जोनल यूथ फेस्टिवल में उपस्थित विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने अंदर अनुशासन की भावना को सदैव बनाए रखें क्योंकि अनुशासन से ही जीवन जीने का ढंग बनता है और सामाजिक भावना भी पनपती है।

उन्होंने कहा कि हम सबको अपने अंदर सामाजिक भावना भी बना कर रखनी चाहिए ताकि समाज का भी भला किया जा सके। उन्होंने कहा कि हम सब अपने लिए तो जीते ही हैं और अपने लिए काम करते हैं लेकिन हमें दूसरे लोगों के लिए भी काम करने चाहिए और समाज के उत्थान में अपना योगदान ज्यादा से ज्यादा देना चाहिए।

## संस्था अध्यक्ष ने स्कूल प्रांगण में पौधा लगाकर मनाया जन्मदिन

**टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत**

**पेड़ पौधे** हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं साथ ही पर्यावरण को साफ सुथरा व संतुलित बनाये रखने में पेड़ पौधों का विशेष योगदान होता है । इसी सन्देश को लेकर माँ भारती रक्तवाहिनी के अध्यक्ष विपिन कुमार गौड़ ने अपने स्कूल माँ दुर्गा शिक्षा सदन के अध्यापिकाओं के साथ मिलकर अपने जन्मदिन के अवसर पर स्कूल प्रांगण में एक पौधा लगाया । विपिन पिछले 4 वर्षों से समाज सेवा के साथ साथ 32 वर्षों से माँ दुर्गा शिक्षा सदन नाम से दुर्गा कॉलोनी बढमलिक में एक मिडल स्कूल भी चलाते है जहाँ आस पास के बच्चों को ऐसी शिक्षा देते है

जो बड़े बड़े स्कूलों में भी मिलनी मुश्किल है । इस छोटे से स्कूल से लगभग 200 बच्चे नवोदय स्कूल के लिए सिलेक्ट हो चुके है । खुद 44 बार रक्तदान कर चुके विपिन बहुत ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति है जो निरंतर सामाजिक कार्यो से जुड़े रहते है जिन्होंने अपने जन्मदिन को पौधा लगा कर मनाया। माँ भारती रक्तवाहिनी के अध्यक्ष चुने हुए 1 वर्ष से अधिकः समय हो चुका है । इनके नेतृत्व में कई रिकॉर्ड सँस्था ने समाज सेवा में बनाये है और अब तक 145 रक्तदान शिविर सँस्था लगवा चुकी है। जिसमे 33 रक्तदान शिविर भारतीय सेना के लिए भी लगाए है।

## खाटू श्याम की मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में ओमेक्स हाइट में निकाली कलश यात्रा

**टीम एक्शन इंडिया/राई।**

**ओमेक्स हाईट** सैक्टर 8 जी टी रोड में नवनिर्मित ओमेक्स मंदिर में बाबा श्याम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वर्मा परिवार द्वारा समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राई के विधायक मोहनलाल बड़ौली ने शिरकत की। मन्दिर में पूजा- अर्चना के बाद विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा के आगे भगवान शिव पार्वती, राधा कृष्ण व अन्य झांकिया आकर्षक का केन्द्र रही। यात्रा ढोल नगाड़ों के साथ मन्दिर परिसर से शुरू होकर सिटी से होती हुई वापिस मन्दिर में आकर

समाप्त हुई। यात्रा के दौरान गायक तरूण, लखन नरेला ने भजनों से वातवरण को भक्तिमय बनाया। मन्दिर के पुजारी दलीप उपाध्याय, पंडित सीताराम ने मंत्रोच्चारण किया। मन्दिर में पहुंचने पर वर्मा परिवार की तरफ से दादा सरूप सिंह वर्मा का गणमान्य लोगों ने स्वागत किया। इस मौके पर दादा सरूप सिंह वर्मा, पुरूहत सतप्रकाश शर्मा, राजेश राणा, अशोक वर्मा, प्रवेश वर्मा, संजय आंतिल, पंकज वर्मा, राजेश दवेगन, अनिल शर्मा, बिजेन्द्र शर्मा, धूप सिंह देशवाल, अजय पांडेय आदि पूजा में शामिल हुए। कार्यक्रम के आयोजक नरेश वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। विधायक मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि भव्य मंदिर का वर्मा परिवार द्वारा बनाया गया है। जिसमें बाबा श्याम की मूर्ति स्थापित होगी। स्थापना को लेकर बाबा के भक्तों में उत्साह है। पूरी सोसाइटी को पूजा अर्चना होने से इसका लाभ मिलेगा। विधायक ने कहा कि त्याग ही सबसे बड़ी पूजा है। धर्म त्याग, तपस्या और बलिदान का सर्वोच्च आधार है, जहां पहुंचकर मानव भी देव तुल्य हो जाता है और जगत का कल्याण कर सकता है। इस मौके पर सोसइटी के गणमान्य लोग मौजूद थे।

**निशाना बनाया**

**8 विधायक मोहनलाल बड़ौली ने शिरकत की। मन्दिर में पूजा- अर्चना के बाद विशाल कलश यात्रा निकाली गई**

## बॉलीवुड स्टार सोनाक्षी सिन्हा करेंगी कल्याण ज्वैलर्स के नए शोरूम का उद्घाटन

**फरीदाबाद।** भारत के सबसे भरोसेमंद और अग्रणी आभूषण ब्रांडों में से एक कल्याण ज्वैलर्स ने आज फरीदाबाद में अपना पहला शोरूम लॉन्च करने का एलान किया। फरीदाबाद के नेहरू ग्राउंड में कल्याण ज्वैलर्स के इस बिल्कुल नए शोरूम का उद्घाटन 18 अक्टूबर (बुधवार) को सुबह 11 बजे बॉलीवुड स्टार सोनाक्षी सिन्हा करेंगी। एक नए बाजार में प्रवेश करते हुए फरीदाबाद में बिल्कुल नया शोरूम लॉन्च करना दरअसल इस क्षेत्र में अपने रिटेल फुटप्रिंट और संचालन का विस्तार करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है। लॉन्च का जश्न मनाते हुए कल्याण ज्वैलर्स ने ग्राहकों को प्रत्येक 50,000 रुपये की खरीद पर 1 ग्राम सोने का सिक्का मुफ्त देने की घोषणा भी की है। यह ऑफर न्यूनतम 1 लाख रुपये की खरीदारी पर लागू है। इसके अतिरिक्त, कल्याण स्पेशल गोल्ड बोर्ड दर लागू होगी जो बाजार में सबसे कम और सभी कंपनी शोरूमों में मानकीकृत है। ये ऑफर केवल सीमित अवधि के लिए लागू हैं।

नए शोरूम की लॉन्चिंग पर टिप्पणी करते हुए, कल्याण ज्वैलर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने कहा, हमें फरीदाबाद में अपना नया शोरूम शुरू करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है। हम जानते हैं कि यह उत्तर प्रदेश राज्य के प्रमुख बाजारों में से एक है। इस क्षेत्र में नया निवेश उत्तर प्रदेश राज्य में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा मानना है कि फरीदाबाद में जबरदस्त अप्रयुक्त क्षमताएं हैं और यह कदम क्षेत्र में रखी गई हमारी मजबूत नींव के दम पर हमें विकास की गति बढ़ाने में मदद करेगा।

## फ्लिपकार्ट के 10वें बिग बिलियन डेज शॉपिंग इवेंट ने बनाया नया रिकॉर्ड

**टीम एक्शन इंडिया/पानीपत**

**द बिग बिलियन** डेज (टीबीबीडी) 2023 के साथ फ्लिपकार्ट के वार्षिक फ्लैगशिप इवेंट ने सफलतापूर्वक 10 साल पूरे कर लिए हैं। लाखों ग्राहकों और सेलर्स की तरफ से मिली शानदार प्रतिक्रिया के साथ रविवार को यह शॉपिंग फेस्टिवल समाप्त हुआ। ग्राहकों के जबर्दस्त उत्साह के साथ टीबीबीडी के 10वें संस्करण के दौरान अर्ली एक्सेस एवं शॉपिंग फेस्टिवल के पहले 7 दिनों में रिकॉर्ड 1.4 अरब कस्टमर विजिट देखने को मिला। स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट और होम अप्लायंस में विस्तृत विकल्प के साथ इस साल पूरे देश में प्रीमियम की ओर कदम बढ़ाने का मजबूत ट्रेंड देखने को मिला। टीबीबीडी के दौरान फ्लिपकार्ट ने हर शॉपर को सही वैल्यू देने पर फोकस किया। टेलीविजन, ऑडियो डिवाइस, स्मार्टफोन और ग्रूमिंग प्रोडक्ट सभी की टॉप चॉइस रहे।

## अंतर महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता की विजेता बनी डीसीआरयूएसटी की टीम

**टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत, दीनबंधु छोटू** राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता में फुटबॉल प्रतियोगिता में डीसीआरयूएसटी की कैंपस टीम ने एचआईएम को पराजित कर विजेता बनी। कुलपति प्रो.श्रीप्रकाश ने कहा कि वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में अग्रणी देश ही, विश्व में श्रेष्ठ देशों की श्रेणी में शामिल हैं। हमारे देश के युवा प्रतिभावान है। देश के खिलाड़ियों ने राष्ट्र का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

रोशन किया है। उन्होंने विजेता टीम को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विश्वविद्यालय के खेल निदेशक व प्रतियोगिता के आयोजक सचिव डा.बिरेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि विश्वविद्यालय में अंतर महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का पहला मैच डीसीआरयूएसटी व आईआईटीएम की टीम के मध्य खेला गया। डीसीआरयूएसटी की कैंपस टीम ने एचआईएम को 4-1 से पराजित कर विजेता बनी, जबकि एचआईएम की टीम उपविजेता बनी। प्रतियोगिता में तीसरे व चतुर्थ स्थान के लिए मैच गेटवे व एचआईएम के मध्य खेला गया।

गेटवे की टीम ने एचआईएम की टीम को 2-0 से पराजित कर गेटवे की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि आईआईटीमए की टीम ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

## 'विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए रचनात्मक स्पर्धाओं में हिस्सा लेना जरूरी'

**टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत**

**उपायुक्त** डॉ० मनोज कुमार के निर्देशन में जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा बाल भवन में बाल महोत्सव-2023 का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के दूसरे दिन बतौर मुख्यातिथि कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉ० अनमोल ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने विद्यार्थियों को चहुंमुखी विकास के लिए रचनात्मक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों को कैरियर निर्माण के विकल्प मिलते हैं। जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित बाल महोत्सव में 23 अक्टूबर तक विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक,

सांस्कृतिक, रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। नगराधीश ने दीप प्रज्वलित कर दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन किया। उन्होंने कहा कि बाल महोत्सव के अंतर्गत जिला स्तर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जा रहा है। जिला स्तर के विजेताओं को मंडल स्तर तथा राज्य स्तर पर प्रतियोगिताओं में हुनर दिखाने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि

**बाल महोत्सव**

**8 बच्चों के उत्थान के लिए मंच प्रदान किया जाता है जहां पर बच्चों की प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है**

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए परिषद वचनबद्ध है। अभिभावकों को सरकार व संस्था द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों व योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

इस दौरान नगराधीश का स्वागत करते हुए जिला बाल कल्याण अधिकारी सुरेखा हुड्डा ने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में आज विभिन्न विद्यालयों के करीब 370 छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के विकास के लिए परिषद के माध्यम से विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। बच्चों के उत्थान के लिए उन्हें बेहतरीन मंच प्रदान किया जाता है जहां पर बच्चों की प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि बाल महोत्सव के दौरान पोस्टर मैकिंग, समूह नृत्य एवं एकल क्लासिक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस मौके पर श्रीभगवान दीक्षित, सीमा, सविता, अनीता, सुमनलता, सुशीला, राधेश, मोनिका दहिया, कपील, बिजेंन्द्र, पवन, अजुं, अराधना, सुनीता, जागृति, सोनिया, पूनम, सुदेश कुमारी मौजूद रही।

## युवा जिलाध्यक्ष ललित पंवार ने स्वर्ण पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी तृप्ती को किया सम्मानित

**टीम एक्शन इंडिया/सोनीपत।**

**वार्ड नम्बर-2** स्थित कोठ मोहल्ला निवासी तृप्ति ने रोहतक में आयोजित स्टेट हॉकी चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेशभर में सोनीपत का नाम रोशन किया है। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ललित पंवार ने आज उनके निवास स्थान पर पहुंचकर तृप्ती को सम्मानित किया। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ललित पंवार ने कहा कि तृप्ति ने हॉकी में गोल्ड मेडल जीतकर साथी खिलाड़ियों को प्रेरणा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी को हमेशा खेल, खेल की भावना से खेलना चाहिए। हार-जीत खेल का हिस्सा

है, कभी भी खिलाड़ी को हार से निराश नहीं होना चाहिए। निरंतर अभ्यास करने वाला खिलाड़ी ही जीवन में हमेशा सफल होता है। एक खिलाड़ी के हमेशा अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर रहना चाहिए। हमारे जिले व प्रदेश के खिलाड़ी पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे है। खिलाड़ियों की बदौलत ही विश्व में भारत का डंका बज रहा है। इसलिए माता-पिता को पढ़ाई के साथ-साथ अपने बच्चों को खेलों में अवश्य भाग दिलवाना चाहिए, ताकि मानसिक विकास के साथ-साथ शारीरिक विकास भी हो सकें।

# शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

**ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।**

## क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

## मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

## स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

## मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

## अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

## विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चाहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

## सहस्रार चक्र

सहस्रार चक्र व्यक्ति के मस्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दुख का उस पर असर नहीं होता है।

## आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

## रेसिपी



### ब्लैक करंट शीर

**सामग्री**

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवई: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप ■ दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून ■ इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटे (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

**विधि**

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रूट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

### दही पराठा

**सामग्री**

- आटा: 2 कप ■ दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी ■ हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी ■ घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा ■ अजवाइन: 1/4 टीस्पून ■ 3 हरी मिर्च बारीक कटी ■ 1/2 छोटी कटोरी दाल ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ पराठा सेंकने के लिए तेल ■ जरूरत के अनुसार पानी

**विधि**

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती को धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान होगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साथियों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ होगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वाय पक्ष का बना होगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): घर-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

**तुला** (रा री रू रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी होगा। शुभांक-1-3-5

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा हो जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग है। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

**मकर** (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्यवसायिक का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

## काकुरो पहेली - 2620

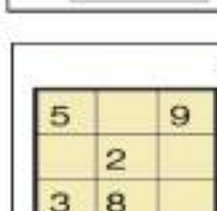



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

1 2 3 5
1
2
4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

**काकुरो - 2619 का हल**



## लॉफिंग जोन

एक बार में थर्टी फर्स्ट की पार्टी मना रहे युवक-युवतियों का ध्यान अचानक बोर्ड पर गया, जिसमें लिखा था 'यहाँ देर रात तक नहीं चलेगी पार्टियाँ।'

उनमें से एक युवक ने घड़ी देखी और घबराया हुआ मेन गेट पर आकर झाँकने लगा।

तभी पास ही गश्त लगा रहे पुलिस वाले ने कहा- तुम्हारे पास अब सिर्फ चार ही मिनट बचे है। यहाँ से जल्दी भागो वर्ना अंदर कर दूँगा।

□ □ □

प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी बोला- अभी तुमसे मिलने आते समय रास्ते में किसी ने मेरी जेब ही काट ली?

प्रेमिका- तो तुमने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की?

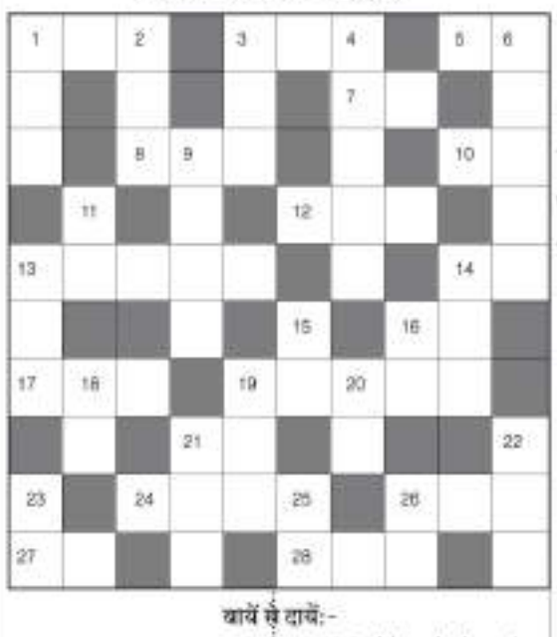

प्रेमी नहीं- ...जैसे ही मैंने कटी हुई जेब देखी, फौरन पास वाले दर्जी से सिलवा ली।

□ □ □

अपने दोस्तों के साथ ताश खेल रहा क्रोधित पति (पत्नी से)- युधिष्ठिर भी तो जुआ खेलते थे, फिर तुम मुझे क्यों रोकती हो?

पत्नी इतराकर बोली- कभी नहीं रोकूँगी! खूब खेलो जुआ, लेकिन इस बात को याद रखना की द्रौपदी के पाँच पति थे।

## फिल्म वर्ग पहेली - 2620



**बायें से दायें:-**

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूं तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने तो लिया' गीत वाली फिल्म-३
७. 'साल के बारह महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. जीनतमान, अनिल राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोनी अली की 'ना बाबा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'धीरे धीरे ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'कड़े कड़े पिया' गीत वाली विजय आनंद, आशा की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२५. गोविंदा, रवीना की 'साथुकी थारे लखा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल दिया तेरा है' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अंकुर, पूजा की 'तेरे बिन है कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नूतन की 'रुक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ये समा मिले तुझे' गीत वाली राजकपूर, साधना की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूं ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, तनुजा की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीज के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चलो मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वेल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'सांस' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

**फिल्म वर्ग पहेली - 2619**



## सूडोकु -2620

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | | 9 | | 8 | 3 | 2 | | |
| | 2 | | 4 | | | | | 8 |
| 3 | 8 | | 5 | 2 | 6 | 1 | | |
| | 7 | | | | | | 9 | 5 |
| 9 | | 3 | 6 | | 8 | 7 | | 4 |
| 2 | 6 | | | | | | 1 | |
| | | 5 | 2 | 7 | 1 | | 8 | 6 |
| 6 | | | | | 4 | | 7 | |
| | | 8 | 9 | 6 | | 4 | | 2 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -2619 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 2 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 4 |
| 4 | 6 | 1 | 8 | 9 | 2 | 3 | 7 | 5 |
| 3 | 7 | 9 | 1 | 5 | 4 | 6 | 8 | 2 |
| 1 | 3 | 7 | 4 | 2 | 9 | 5 | 6 | 8 |
| 6 | 5 | 2 | 7 | 1 | 8 | 4 | 9 | 3 |
| 9 | 8 | 4 | 6 | 3 | 5 | 1 | 2 | 7 |
| 2 | 4 | 6 | 9 | 8 | 3 | 7 | 5 | 1 |
| 5 | 1 | 3 | 2 | 7 | 6 | 8 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 4 | 1 | 2 | 3 | 6 |

## शब्द पहेली - 2620



**बाएँ से दाएँ**

1. पद्माकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिष्य आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शौहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहसीलदार-5

**ऊपर से नीचे**

1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, संग्रहालय-4
4. मालिक, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मानमण्डल-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

**शब्द पहेली -2619 का हल**

## अजिंक्य रहाणे का तूफानी अर्धशतक, मुंबई ने हरियाणा को हराया

**जयपुर ।** अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने 32 गेंद पर अर्धशतक जमाया जिससे मौजूदा चैंपियन मुंबई ने यहां हरियाणा को 8 विकेट से करारी शिकस्त देकर सैयद मुश्ताक अली घरेलू टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। हरियाणा ने मुंबई के सामने 148 रन का लक्ष्य रखा था। रहाणे की 43 गेंद पर खेली गई नाबाद 76 रन की पारी की मदद से मुंबई 13 ने गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर दिया।



रहाणे ने अपनी पारी में 4 चौके और 3 छक्के लगाए। उधर, मोहाली में खेले गए एक अन्य मैच में रुतुराज गायकवाड की 40 गेंद पर खेली गई 82 रन की पारी की मदद से महाराष्ट्र ने बंगाल को 8 विकेट से हराया। गायकवाड ने केवल 22 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके और 5 छक्के लगाए। उनके अलावा कप्तान केदार जाधव ने 26 गेंद पर नाबाद 40 रन बनाए जिससे महाराष्ट्र ने 159 रन का लक्ष्य पांच ओवर शेष रहते ही हासिल कर दिया। बंगाल ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर 6 विकेट पर 158 रन बनाए थे।

# ऑस्ट्रेलिया को मिली विश्व कप की पहली जीत, श्रीलंका को 5 विकेट से हराया

**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलियाई टीम को आखिरकार क्रिकेट विश्व कप 2023 में अपनी पहली जीत का स्वाद लखनऊ के मैदान पर चखने को मिला। श्रीलंका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को क्रिकेट के तीनों विभागों में मात दे दी। हालांकि श्रीलंकाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पथुम निसांका (61) और कुसल परेरा (78) की बदौलत अच्छी शुरुआत की थी। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने श्रीलंका को मध्यक्रम बुरी तरह चकनाचूर कर दिया और टीम को 209 रन पर ही रोक दिया।

जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भले ही डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ का विकेट जल्द गंवा दिया। लेकिन मिचेल मार्श ने 52, मार्नस लाबुशेन ने 40 तो जोश इंगलिश ने 58 रन बनाकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। अंत में ग्लेन मैक्सवेल ने क्रीज पर आकर बड़े शॉट लगाए और टीम को 5 विकेट से जीत दिला दी।

इससे पहले श्रीलंका ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी की। कुसल परेरा और पथुम निसांका के बीच साझेदारी पेट कमिंस की 22वें ओवर की चौथी गेंद पर टूटी जब निसांका वार्नर के हाथों कैच आउट हो गए। निसांका ने 67 गेंदों पर 61 रन बनाए जिसमें 8 चौके भी शामिल थे। टीम अभी इससे उभरी नहीं थी कि कुसल परेरा 27वें ओवर की दूसरी गेंद पर कमिंस के हाथों बोल्ड हो गए। वह गेंद को पढ़ नहीं पाए और विकेट्स से जा लगी। उन्होंने 82 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से





78 रन बनाए। 28वें ओवर की अंतिम गेंद पर जम्पा ने कुसल मेंडिस (9) को वार्नर के हाथों कैच आउट करवाया जो क्रीज पर पांव जमाने की कोशिश में थे। सदीरा समरविक्रमा (8) को 30वें ओवर की पहली गेंद पर जम्पा ने एलबीडब्ल्यू किया। बारिश के कारण मैच कुछ देर के लिए रुका और शुरू होने के बाद धनंजय डी सिल्वा (7) स्टार्क के हाथों 33वें ओवर की तीसरी गेंद पर बोल्ड हुए। इसके बाद दुनिथ वेललेज (2) को रन आउट होना पड़ा। 38वें ओवर की आखिरी गेंद पर जम्पा ने चमिका करुणारत्ने ( ) को एलबीडब्ल्यू किया। महेश थीक्षणा (0) जम्पा की 40वें ओवर की दूसरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। यह जम्पा का तीसरा एलबीडब्ल्यू और कुल चौथा विकेट था। स्टार्क ने लाहिरु कुमारा (4) को 41वें ओवर की पांचवीं गेंद पर बोल्ड किया।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेविड वार्नर और मिचेल मार्श ने आक्रमक शुरुआत करने की कोशिश की लेकिन वार्नर 6 गेंदों पर 11 रन बनाकर आउट हो गए। इसी ओवर में स्टीव स्मिथ भी बिना रन बनाए पवेलियन लौट गए। मिचेल मार्श ने 51 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 52 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई पारी को लाबुशेन और जोश इंगलिस ने संभाला। लाबुशेन ने 60 गेंदों पर 40 रन बनाकर दिलशान मधुशंका के हाथों विकेट गंवाई। दिलशान ने ही वार्नर और मार्श को पवेलियन की राह दिखाई थी। मध्यक्रम बल्लेबाज जोश इंगलिस ने इसके बाद एक छोर संभाला और लगातार रन बनाए। उन्होंने वालेगेले की गेंद पर आउट होने से पहले 59 गेंदों पर 5 चौके और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाए। इसके बाद आए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने पिछली विफलताओं को भुलाते हुए ताबड़तोड़ शॉट लगाए। मैक्सवेल का मार्कस स्टोइनिस ने भी बखूबी साथ दिया और टीम को 35 ओवर में ही जीत दिला दी। मैक्सवेल ने 00 तो स्टोइनिस ने 10 रन बनाए।

## विश्व कप में पिछली 21 पारियों से लगातार विकेट ले रहे मिचेल स्टार्क

**लखनऊ (उत्तर प्रदेश)।** ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने क्रिकेट विश्व कप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा है और हर मैच में कम से कम एक विकेट लेने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा है। लखनऊ के एकाना स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ मैच में स्टार्क ने अपने 10 ओवरों में धनजया डी सिल्वा और लाहिरू कुमारा को आउट करते हुए 2/43 के आंकड़े दिए। इसके कारण स्टार्क अब विश्व कप के पिछले 21 मैचों में 15.79 की औसत 54 विकेट लेने में कामयाब हो गए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/28 का रहा है। विश्व कप में उनके नाम तीन बार 4 विकेट और 3 बार पांच विकेट लेने का कारनामा है।

स्टार्क ने 2019 विश्व कप में 27 विकेट लिए थे तो विश्व कप के एक संस्करण में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड था। यही नहीं, स्टार्क के 41-50 ओवर में आंकड़े और भी शानदार हैं। इस अवधि में स्टार्क ने 177 गेंदें फेंकी हैं और 18 विकेट लिए हैं। जबकि 104 डॉट गेंदें भी उन्होंने फेंकी हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 4.64 रहा। डेथ ओवरों में स्टार्क के विकेट 7.61 के औसत से आए हैं, यानी वह प्रति विकेट लगभग 7 रन देते हैं। डेथ ओवरों में उनका स्ट्राइक रेट भी 9.8 है, यानी प्रति विकेट उनका औसत 9 गेंद है। बहरहाल, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने लखनक के मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ अहम मुकाबला 5 विकेट से जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप में पहले दो मुकाबले भारत और साऊथ अफ्रीका के साथ हुए थे, जिनमें उन्हें हार झेलनी पड़ी थी।

# पोंटिंग ने रोहित शर्मा को माना भारत के लिए आदर्श कप्तान, कोहली को लेकर कही ये बात

**सिडनी।** ऑस्ट्रेलिया के महान रिकी पोंटिंग ने बताया कि भारत के कप्तान रोहित शर्मा मौजूदा मार्की टूर्नामेंट में भारत के सफलता की कुंजी हैं और उनका मानना है कि दाएं हाथ का बल्लेबाज घरेलू मैदान पर 2023 विश्व कप में जीत के लिए नीले रंग में पुरुषों का नेतृत्व करने के लिए आदर्श कप्तान है। रोहित और विराट कोहली की विशेषताओं की तुलना करते समय ऑस्ट्रेलियाई आइकन ने टिप्पणी की कि भारत के पूर्व कप्तान को बड़े अवसर के दबाव से निपटने के लिए संघर्ष करना पड़ा होगा। पोंटिंग ने आईसीसी को बताया, %यह (रोहित) बहुत शांत स्वभाव का है। वह जो कुछ भी करता है उसमें बहुत शांत रहता है। आप उसके खेलने के तरीके से भी यह देख सकते हैं। वह काफी शांत स्वभाव का बल्लेबाज भी है और मैदान के अंदर और बाहर भी वह इसी तरह का है।' उन्होंने कहा, 'हम चुपचाप बैठकर यह नहीं कह



सकते कि किसी स्तर पर दबाव उन पर हावी नहीं होगा, या इसका उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह टूर्नामेंट की विशालता के साथ होगा। लेकिन वह इसे स्वीकार करेंगे और सामना करेंगे'

पोंटिंग ने कहा कि विश्व कप में भारत का नेतृत्व करने के लिए रोहित सबसे अच्छे व्यक्ति हैं जिससे कोहली को बल्ले से अपनी प्रमुख भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना होगा। पोंटिंग ने कहा, 'विराट जैसा कोई व्यक्ति, जो थोड़ा अधिक दिल से काम करता है और शायद प्रशंसकों की बात सुनता है और प्रशंसकों के साथ थोड़ा अधिक खेलता है, उनके व्यक्तित्व वाले किसी व्यक्ति के लिए यह शायद थोड़ा कठिन होगा।'

ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी ने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि रोहित को इससे कोई दिक्कत नहीं होगी। वह एक शानदार व्यक्ति हैं और लंबे समय से एक महान खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने भारत के कप्तान के रूप में बहुत अच्छा काम किया है।' रोहित की अगुवाई वाली टीम इंडिया विश्व कप में अपनी विजयी फॉर्म बरकरार रखने के लिए पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में बांग्लादेश से भिड़ेगी।

## ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका मैच में चली आंधी, होर्डिंग दर्शकों पर गिरे, खेल रोका गया



**लखनऊ।** ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच सोमवार को यहां क्रिकेट विश्व कप मैच के दौरान तेज हवा के कारण इकाना स्टेडियम की छत से कई होर्डिंग नीचे की सीटों पर गिर गए। बारिश के कारण खेल में थोड़ी देर की बाधा आई। खेल दोबारा शुरू होने के बाद धूल भरी आंधी और तेज हवा के कारण छत से ब्रांडिंग सामग्री के साथ लोहे के एंगल निचले स्तर के सीटों पर गिर गए। यह दुर्घटना और खतरनाक हो सकती थी लेकिन दर्शकदीर्घा अपेक्षाकृत खाली थी। इससे हालांकि मैच देखने आए लोगों में थोड़ी खलबली मच गई और स्टेडियम में सार्वजनिक घोषणा में दर्शकों को सुरक्षित सीटों पर जाने के लिए कहा गया। दूसरी पारी शुरू होने तक सुरक्षाकर्मियों ने सभी दर्शकों को सुरक्षित सीटों पर पहुंचा दिया। स्टेडियम ने पिछले सप्ताह विश्व कप के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी की थी।

## एशियाई खेलों से पहले खेल को अलविदा कहने का मन बना चुकी थी : भालाफेंक खिलाड़ी अन्नुरानी

**नई दिल्ली ।** हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने से पहले अपने लगातार खराब प्रदर्शन से भालाफेंक खिलाड़ी अन्नु रानी इतनी परेशान हो गई थी कि उन्होंने खेल को अलविदा कहने का मन बना लिया था। अन्नु ने भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा, 'इस साल मैंने बहुत संघर्ष किया है। मैं विदेश में अभ्यास करने गई थी। सरकार से जिद करके विदेशी कोच से सीखने गई थी लेकिन मेरा प्रदर्शन गिर गया। पूरा साल खराब हो चुका था। एक के बाद एक हर प्रतियोगिता में खराब प्रदर्शन हो रहा था।' उन्होंने कहा, 'मैंने एशियाई खेलों से पहले सोच लिया था कि मैं खेल छोड़ दूंगी। इतनी कोशिश के बावजूद कुछ जीत नहीं पा रही थी। सरकार और साइ ने मुझ पर इतना पैसा लगाया है लेकिन मैं प्रदर्शन नहीं कर पा रही थी। बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप के बाद मैंने खेल को अलविदा कहने के बारे में सोच लिया था।' अन्नु अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 57.05 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ 11वें स्थान पर रही और फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। वह सितंबर में ब्रसेल्स में डायमंड लीग में 57.74 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रही। पूरे सत्र में वह 60 मीटर का आंकड़ा नहीं छू सकी थी। हांगझोउ में एशियाई खेलों में हालांकि 69.92 मीटर के थ्रो के साथ उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर खराब फॉर्म को अलविदा कहा।

# एडम जंपा ने बराबर किया शेन वॉर्न का बड़ा रिकॉर्ड, यूं दिखाया ऊंगलियों का जादू

**सिडनी।** क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच लखनऊ के एकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में श्रीलंकाई टीम पहले खेलते हुए महज 209 रन ही बना पाई।

हालांकि पथुम निसांका और कुसल परेरा ने टीम को अच्छी शुरूआत दी थी लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ा जाने के कारण श्रीलंकाई टीम मजबूत स्कोर तक नहीं पहुंच पाई। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपाने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए एक नया रिकॉर्ड बना दिया।वनडे फॉर्मेट में एडम जंपा ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए लगातार करिश्मे करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लखनऊ में स्पिनर्स की मददगार पिच पर फिर



से अपनी ऊंगलियों का जादू दिखाया और श्रीलंका के 4 विकेट लिए। इन विकेट के साथ ही जंपा ने शेन वार्न का रिकॉर्ड बराबर कर लिया। वार्न ने अब तक वनडे फॉर्मेट में 13 बार एक पारी में 4 विकेट लेने का कारनामा कर दिखाया था जिसे जंपा ने महज 88 मैचों में ही बराबर कर लिया है। वार्न ने अपने करियर में 194 मैच खेलकर यह रिकॉर्ड बनाया था। जंपा के अब 88 मुकाबलों में 147 विकेट हो गए हैं। उनकी इकोनमी 5.57 चल रही है जबकि उनकी औसत 29 के पास है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न्यूजीलैंड के खिलाफ है जब उन्होंने पिछले साल दूसरे वनडे में महज 35 रन देकर 5 विकेट लिए थे। जंपा अभी तक ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं लेकिन वनडे फॉर्मेट में उनके आंकड़े हर किसी को चौंकाने के लिए काफी हैं।

## ओलंपिक पदक के लिए तैयारी में बदलाव जरूरी : अविनाश साबले

**नई दिल्ली ।** एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना आसान नहीं, लेकिन असंभव भी नहीं है लेकिन इसके लिए रणनीति में बदलाव करना होगा और अभ्यास का बेस अमेरिका की बजाय मोरक्को या यूरोप में कहीं रखना होगा। साबले ने हांगझोउ एशियाई खेलों में स्टीपलचेस में स्वर्ण और 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। महाराष्ट्र के बीड जिले के मांडवा के रहने वाले 29 वर्ष के इस खिलाड़ी का लक्ष्य ओलंपिक में भालाफेंक (फील्ड) में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण के बाद स्टीपलचेस (ट्रैक) में भारत को पहला पदक दिलाना है। उन्होंने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, 'पिछले चार पांच साल में मैंने प्रदर्शन में जो सुधार किया है, उससे ओलंपिक में स्टीपलचेस में पदक की उम्मीद जगी है। इसके लिए ट्रेनिंग की योजना में बदलाव की जरूरत है। अब सिर्फ टाइमिंग पर फोकस नहीं रखना है। रेस जीतने के लिए रणनीति बनानी पड़ेगी।ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके साबले ने कहा, 'पदक सिर्फ टाइमिंग से नहीं, सटीक रणनीति से मिलते हैं मसलन रेस के दौरान ही फैसले लेना कि कब धीमा भागना है और कब रफ्तार बढ़ानी है। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 1994 के बाद से पोडियम फिनिश करने वाले पहले गैर कीनियाई खिलाड़ी बने साबले ने कहा कि उन्होंने अपने कोचों, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ , भारतीय खेल प्राधिकरण और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के अधिकारियों से बात की है कि अभ्यास का बेस अमेरिका की बजाय मोरक्को या यूरोप में कहीं रखा जाए।'

# ओलंपिक से पुराना है क्रिकेट का रिश्ता, पहली बार केवल दो टीमों ने लिया था हिस्सा

**नई दिल्ली।** क्रिकेट भले ही 128 साल बाद लॉस एंजिल्स में ओलंपिक खेलों में वापसी करेगा लेकिन इस खेल का ओलंपिक से पुराना रिश्ता रहा है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले खेलों में क्रिकेट को शामिल करने की मंजूरी दे दी है।

यह ओलंपिक इतिहास में दूसरा अवसर होगा जबकि क्रिकेट इन खेलों का हिस्सा बनेगा। इससे पहले पेरिस ओलंपिक 1900 में क्रिकेट ओलंपिक कार्यक्रम का हिस्सा था। पेरिस ओलंपिक 1900 में क्रिकेट में केवल दो टीमों ने हिस्सा लिया था। ऐसे में इन दोनों टीमों फ्रांस और ग्रेट ब्रिटेन के बीच सीधे फाइनल मैच का आयोजन किया गया था। फ्रांस की टीम में शामिल खिलाड़ियों में एफिल टावर के निर्माण में काम करने वाले मजदूर भी शामिल थे।

**केवल दो दिन तक चला था क्रिकेट का खेल**

पेरिस में 1900 में दूसरे ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया था जो छह महीने तक चले थे। इसमें क्रिकेट का खेल केवल दो दिन तक चला था जिसमें चार पारियों में 366 रन बने थे। इस क्रिकेट मैच का आयोजन वेलोड्रोम डी विन्सेनेस के अंदर किया गया था। इस साइकलिंग ट्रैक में बाउंड्री 30 मीटर से भी छोटी थी। इस मैच में अगर 24 खिलाड़ी भाग ले रहे थे तो दर्शकों की संख्या 20 से भी कम थी।

**26 रन पर आउट हो गई थी टीम**

आर हॉर्न, एच टेरी, डब्ल्यू एंडरसन, डी रॉबिन्सन, डब्ल्यू ब्राउनिंग सप्ताहांत में क्रिकेट खेला करते थे। उन्होंने फ्रेंच एथलेटिक क्लब यूनियन की स्थापना की थी जिसमें फ्रांस में बसे ब्रिटिश लोग शामिल थे। अपनी आजीविका के लिए ये खिलाड़ी एफिल टावर के निर्माण कार्य में मजदूरी करते थे। ऐसे में अगर फ्रांस की टीम 184 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 26 रन पर आउट हो गई तो किसी को हैरानी नहीं हुई। उसका कोई भी खिलाड़ी दोहरे अंक में नहीं पहुंचा था। ग्रेट ब्रिटेन ने खेल समाप्त होने से पांच मिनट पहले 158 रन से जीत दर्ज की थी। इस तरह से ग्रेट ब्रिटेन ने क्रिकेट में स्वर्ण पदक जीता जबकि फ्रांस की टीम को रजत पदक दिया गया।

**आधिकारिक मान्यता 1912 में मिली**

दिलचस्प बात यह है कि क्रिकेट में जीते गए इन पदकों को आधिकारिक मान्यता 1912 में जाकर मिली थी। खिलाड़ियों को पदक मिले थे या नहीं इसका कोई आधिकारिक सबूत नहीं है। एजे एनीडाउ और एफ रोक्स खुद को भाग्यशाली मानेंगे कि अल्पसंख्यक होने के बावजूद दोनों को फ्रांस की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। फ्रांस की टीम में इसके अलावा 10 अंग्रेज खिलाड़ी शामिल थे। पहला टेस्ट मैच भले ही 1877 में खेला गया था लेकिन ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच खेले गए ओलंपिक फाइनल में 12-12 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इसमें 22 खिलाड़ी ब्रिटिश मूल के थे। इंग्लैंड में तब क्रिकेट समय बिताने के लिए खेला जाता था।

**दिलचस्प था चयन**

ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के चयन का तरीका भी दिलचस्प था। केवल उन्हीं खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया जिन्हें अपने काम से 14 दिन की छुट्टी मिली थी। फ्रांस की टीम में 10 अंग्रेज खिलाड़ी और दो स्थानीय खिलाड़ी शामिल थे। ग्रेट ब्रिटेन के मोंटागु टोलर ने नौ रन देकर सात विकेट लिए और वह इस फाइनल में खेलने वाले उन दो खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेली थी। इस मैच में खेलने वाला अन्य प्रथम श्रेणी क्रिकेटर अल्फ्रेड बोवरमैन था।

# हम आगामी मैचों में जीत का सिलसिला जारी रखेंगे : पैट कमिंस

**लाहौर।** ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने एकदिवसीय विश्व कप में पहली जीत दर्ज करने पर खुशी जाहिर करते हुए अपने गेंदबाजों की जमकर प्रशंसा की जिन्होंने श्रीलंका को सोमवार को यहां खेले गए मैच में अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठाने दिया। कुसल परेरा (78) और पथुम निसंका (61) के बीच पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी की मदद से श्रीलंका एक समय बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रहा था लेकिन आखिर में उसकी टीम 209 रन पर आउट हो गई।

ऑस्ट्रेलिया ने 88 गेंद शेष रहते ही पांच विकेट से जीत दर्ज की। कमिंस ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने बहुत अच्छी शुरुआत की थी लेकिन जिस तरह से हमारे गेंदबाजों ने गेंदबाजी की और अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई, उनका यह प्रयास शानदार था। उन्होंने कहा कि हमने तीनों



विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया। उम्मीद है कि आगामी मैचों में हम इसे जारी रखेंगे।

श्रीलंका के कप्तान कुसल मेंडिस ने कहा कि अगर उनकी टीम में 290-300 का स्कोर बनाया होता तो परिणाम भिन्न हो सकता था। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन हमारा मध्य क्रम लड़खड़ा गया। अगर हमने 290 या 300 का स्कोर बनाया होता तो इस पिच पर वह अच्छा स्कोर होता। हम स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाए और हमने काफी गेंद खाली जाने दी। मुझे अपने बल्लेबाजों पर भरोसा है और उम्मीद है कि आगे वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जंपा ने 4 विकेट लिए और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। जंपा ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। पिछले कुछ दिन से मेरी पीठ में जकड़न थी, लेकिन मैंने आज अच्छी गेंदबाजी की। मैं पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाया था।

## डब्ल्यूएफआई से हट सकता है निलंबन, माननी होगी बस एक शर्त

**मुंबई ।** यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह द्वारा भारतीय महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न से संबंधित लंबित मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा कि अगर खिलाड़ी उनसे संपर्क करते है तो वे 'खिलाड़ियों की बात सुनेंगे। यूडब्ल्यूडब्ल्यू प्रमुख नेनाद लालोविच ने सोमवार को ये बातें कहीं ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता विनेश फोगाट सहित सात पहलवानों ने आरोप लगाया था कि बृजभूषण ने महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया था। दिल्ली पुलिस ने 15 जून को छह बार के सांसद के खिलाफ विभिन्न यौन अपराध के आरोपों के तहत खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। इस बीच यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएफआई को भी तय समय सीमा में चुनाव नहीं कराने के लिए निलंबित कर दिया। लालोविच ने यहां अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के 141वें सत्र के इतर कहा कि पहलवानों के विरोध के दौरान जो कुछ हुआ, हमारी नजर उस पर थी। हमें अपने खिलाड़ियों की कुशलता की चिंता है। निलंबन की संभावनाओं में यह भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अब यह मामला भारतीय अधिकारियों द्वारा देखा जा रहा है। हम इसमें हस्तक्षेप नहीं करेंगे। हम तभी हस्तक्षेप करेंगे जब पहलवान किसी कारण से हमसे दोबारा संपर्क करेंगे। हम खिलाड़ियों की आवाज सुनते हैं।

ACTION INDIA

# एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 18 अक्टूबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

# सुभाष रामलीला : लक्ष्मण परशुराम संवाद, सीता स्वयंवर रहे मुख्य प्रसंग

## धनुष भंग व सीता स्वयंवर की लीला देख रोमांचित हुए दर्शक, बेहतरीन ढंग से किया जा रहा रामलीला का मंचन, दर्शक हुए भावविभोर

**नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया**

सुभाष रामलीला ड्रामाटिक क्लब के तत्वाधान में नरेला के रामलीला ग्राउंड में जारी ऐतिहासिक रामलीला में बड़ी संख्या में राम भक्त भव्य रामलीला का आनंद ले रहे हैं।

रामलीला के तीसरे दिन का शुभारंभ समाजसेवी अनीश बंसल, संदीप भारद्वाज, आशीष बंसल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि व अति विशिष्ट अतिथियों का सुभाष रामलीला के पदाधिकारियों द्वारा पटका पहनाकर, प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत व अभिनंदन किया गया। भव्य रामलीला के तीसरे दिन पुष्प वाटिका में राम सीता मिलन, सीता स्वयंवर में रावण बाणासुर संवाद एवं लक्ष्मण परशुराम संवाद प्रसंग का मंचन किया गया।

जनकपुर के राज दरबार में सीता स्वयंवर के लिए आए राजाओं का शिव धनुष तोड़ने का बार-बार असफल प्रयास, लक्ष्मण परशुराम संवाद और रावण बाणासुर संवाद ने दर्शकों को रोमांचित कर तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। कलाकारों ने अपने अभिनय से इसे और जीवंत बना दिया। सुभाष रामलीला ड्रामाटिक क्लब के संरक्षक लोकेश गर्ग ने बताया कि सुभाष रामलीला ड्रामेटिक क्लब के तत्वाधान में 1947 से रामलीला का मंचन हो रहा है। सुभाष रामलीला बाहरी दिल्ली की सबसे बड़ी व पुरानी रामलीला कमिटी है। सीता स्वयंवर, लक्ष्मण परशुराम संवाद, रावण बाणासुर संवाद जैसे अनेक मनमोहक दृश्यों को देखने के लिए मैदान की क्षमता से ज्यादा लोगों का उमड़ना इस बात का साक्षी रहा की लीला का मंचन अद्वितीय श्रेणी का किया जा रहा है।

तीसरे दिन के मंचन में राम जी अपने गुरु की आज्ञा पाकर जनकपुरी घूमने निकलते हैं। पुष्प वाटिका में उनकी मुलाकात सीता से होती है। अगले दृश्य में सीता स्वयंवर के दौरान राज दरबार में देश-विदेश के राजा मौजूद हैं, लेकिन कोई भी शिव धनुष को हिला भी नहीं पाता। इसी दौरान रावण बाणासुर संवाद भी दर्शकों को खूब भाया। राजा जनक ने कहा कि यह पृथ्वी वीरों से हीन हो गई है। राजा जनक की यह बात सुनकर लक्ष्मण क्रोध से आगबबूला होकर बोले जहां रघुवंश का एक भी व्यक्ति मौजूद हो वहां पर इस तरह की बातें नहीं की जाती। यदि गुरु की आज्ञा पाऊं तो पूरे ब्रह्मांड को उठाकर कच्चे घड़े की तरह फोड़ डालु। तब लक्ष्मण को राम शांत करते हैं। इसके बाद गुरु महर्षि विश्वामित्र ने श्रीराम को राजा जनक का संताप दूर करने के लिए धनुष उठाने के लिए भेजा। जैसे ही श्री राम ने धनुष तोड़ा तो पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। धनुष टूटने के पश्चात क्रोधित हुए परशुराम लक्ष्मण संवाद ने माहौल को एकदम गर्माहट में बदल दिया।

**यह लोग रहे मौजूद** : सुभाष रामलीला के संरक्षक लोकेश गर्ग, संरक्षक मोहनपुरी, विष्णु भारद्वाज, उप प्रधान धर्मपाल वर्मा, उपप्रधान मोहित गुप्ता, महासचिव संजय बंसल, सचिव संदीप मंगला, लेखाकार अनिल कुमार गर्ग, संगठन सचिव मुकेश बंसल, सुरेश गुप्ता, ऑडिटर डॉ सचिन कौशिक व डॉ. शुभम रोहिल्ला, विशेष सलाहकार भारत भूषण शर्मा, मैदान पर्यवेक्षक जयपाल रोहिल्ला निपुण गुप्ता, जितेंद्र पालीवाल, संजू प्रजापति, अनिरुद्ध त्यागी, मोहित गौतम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

**आशीष बंसल, प्रसिद्ध समाजसेवी:** 1947 सुभाष रामलीला द्वारा भव्य रामलीला का मंचन किया जा रहा है। इसके लिए सुभाष रामलीला ड्रामेटिक के सभी सदस्य ,पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। वर्तमान पीढ़ी को मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्श चरित्र के अनुसरण की आवश्यकता है।

**अनीश बंसल, प्रसिद्ध समाजसेवी:** सुभाष रामलीला पूरी दिल्ली एनसीआर में प्रसिद्ध है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य रामलीला मंचन के लिए सुभाष रामलीला ड्रामेटिक क्लब की पूरी टीम बधाई की पात्र है। हम सभी को प्रभु श्रीराम के दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में सच व धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना। चाहिए प्रभु श्री राम सबका कल्याण करेंगे।

**लोकेश गर्ग, संरक्षक, सुभाष रामलीला ड्रामाटिक क्लब बाहरी** दिल्ली की सबसे बड़ी व पुरानी सुभाष रामलीला का मंचन 1947 से हो रहा है। हमारा प्रयास रहता है कि हम बेहतर से बेहतर लीला का मंचन दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत कर सकें। इस बार की लीला में 18 तारीख को भव्य राम बारात निकाली जाएगी। व दशहरा महोत्सव में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

**संदीप भारद्वाज, प्रसिद्ध समाजसेवी:** हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य रामलीला मंचन के लिए सुभाष रामलीला ड्रामेटिक क्लब की पूरी टीम बधाई की पात्र है। हम सभी को प्रभु श्रीराम के दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में सच व धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना। चाहिए प्रभु श्री राम सबका कल्याण करेंगे।

# केवल पार्क रामलीला : धनुष भंग कर सीता के हुए राम, पहनाई वरमाला

## सीता स्वयंवर के प्रसंग में धनुष भंग होते ही लगे जय श्री राम के नारे, आदर्श नगर विधानसभा की सबसे बड़ी और अव्वल रामलीलाओं में शुमार है केवल पार्क की रामलीला कमिटी

**नई दिल्ली/ एक्शन इंडिया**

श्री आदर्श कला केंद्र, रामलीला कमेटी, केवल पार्क की रामलीला में विभिन्न प्रसंगों का मंझे हुए कलाकारों ने बेहद मनमोहक मंचन किया, जिसे देख दर्शक भावविभोर हो रहे हैं। रामलीला के तीसरे दिन दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री मंगत राम सिंघल ने दीप प्रज्जवलन कर रामलीला का शुभारंभ किया। इस दौरान केवल पार्क आरडब्ल्यूए के प्रधान अरविंद मूलचंद भी मौजूद रहे। इस मौके पर मंगत राम सिंघल ने दर्शक दीर्घा में मौजूद दर्शकों से भगवान राम के दिखाए हुए पथ पर चलने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि भगवान राम ने धर्म और सत्य का मार्ग कभी नहीं छोड़ा। हम सभी को धर्म के मार्ग पर चलते हुए सत्य का कार्य आगे बढ़ाना चाहिए। मंगलवार रात रामलीला के मंचन में कलाकारों ने सीता स्वयंवर के प्रसंग पर अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। कलाकारों ने धनुष भंग वाले चित्रण को बखूबी प्रस्तुत किया। राजा जनक के विचारों से आहत लक्ष्मण ने गुस्से में मण्डप में तीखे बोल बोले। मंचन में लक्ष्मन ने कहा कि महाराजा जनक आप रघुवंश के पोरूष से अंजान है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम के संकेत मात्र से यह धनुष पल भर में टूट जाएगा। जहां श्री राम बैठे हो वहां राजा जनक को इस प्रकार के विचार व्यक्त नहीं करने चाहिए। अंत में धनुष भंग के बाद भगवान श्री राम को मां जानकी द्वारा वरमाला पहनाने का सुंदर चित्रण किया गया। इसे देख सभी दर्शक भावविभोर हो गए।

**मनमोहक**

**8 रामलीला के मंचन में कलाकारों ने सीता स्वयंवर के प्रसंग पर अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी**

**महंत अनिल शर्मा, स्वागताध्यक्ष:** भगवान राम हम सबके आराध्य है। भगवान राम के कृपा जिस पर बन गई मानो बिगड़ी बात बन गई। हम सभी को भगवान राम के दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए और वह मार्ग है सत्य और धर्म का। जो व्यक्ति सत्य और धर्म के मार्ग पर चलता है उसे जीवन में कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, मगर वो भगवान का प्रिय होता है।

**प्रिंस शर्मा, सहकोषाध्यक्ष:** केवल पार्क रामलीला की पहचान इसकी उत्तम व्यवस्था, लाजवाब अभिनय और हर साल कुछ नया करने की कोशिश से होती है। हम सभी को प्रभु श्रीराम के दिखाए हुए मार्ग पर चलना चाहिए और किसी भी परिस्थिति में सच व धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना। चाहिए प्रभु श्री राम सबका कल्याण करेंगे।